TNF TODAY

टीएनएफ टुडे

थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे

tnftoday | tnftoday

www.tnftoday.com / epaper | Trial Edition

मलबे के साथ नाले में समाई महिला (पेज-3)

पृष्ठ- 08 | वर्ष-01 अंक-13 | मूल्य ₹7 | रविवार | दिनांक- 12.07.2026

तेज हुई पहला सीईओ चुनने की प्रक्रिया, 22 को नाम पर लगी सकती है मुहर

एजेंसी, अयोध्या।

राम मंदिर में चढ़ावा प्रकरण के बाद मंदिर प्रशासन को अधिक पारदर्शी और पेशेवर बनाने की दिशा में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने पहले मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) की नियुक्ति की प्रक्रिया तेज कर दी है। सीईओ के चयन के लिए गठित तीन सदस्यीय सर्च कमेटी जल्द ऑनलाइन बैठक कर आवेदन प्रक्रिया और चयन के मापदंड तय करेगी। सूत्रों के अनुसार, 22 जुलाई को प्रस्तावित ट्रस्ट बैठक में चयन प्रक्रिया की प्रगति या संभावित नामों पर भी चर्चा हो सकती है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सीईओ का चयन केवल प्रशासनिक अनुभव के आधार पर नहीं होगा, बल्कि उम्मीदवार की ईमानदारी, नेतृत्व क्षमता, धार्मिक आस्था और बड़े संस्थानों के संचालन का अनुभव भी परखा जाएगा। चयन प्रक्रिया में विस्तृत बैकग्राउंड वेरिफिकेशन और व्यक्तिगत इंटरव्यू को अनिवार्य बनाया जाएगा। कमेटी करीब 10 प्रमुख मापदंड तय करेगी, जिनके आधार पर इच्छुक उम्मीदवारों से आवेदन मांगे जाएंगे। इसके बाद दस्तावेजों की जांच, सेवा रिकॉर्ड, चरित्र सत्यापन और इंटरव्यू के बाद योग्य नाम ट्रस्ट के समक्ष रखे जाएंगे। अयोध्या राम मंदिर का प्रबंधन देश के अन्य बड़े मंदिरों से अधिक चुनौतीपूर्ण है। ऐसे में सीईओ में वित्तीय प्रबंधन, मानव संसाधन, भीड़ नियंत्रण, आपदा प्रबंधन और संसाधनों के कुशल संचालन की क्षमता होना आवश्यक है।

नगर आयुक्त साहब! पूरा शह छलनी है, दर्द परेशां है कि उठें कहां से

जन समस्याओं से व्यथित मथुरा और वृंदावन नगरी में हर रोज ही मचता है हाहाकार

नवनियुक्त नगर आयुक्त ओजस्वी राज

राजेश मिश्रा

मथुरा। मथुरा में जब भी कोई प्रशासनिक अधिकारी की तैनाती होती है तो तीर्थनगरी बेहतरी की उम्मीदों से उत्साहित हो जाती है। इसलिए भी कि मथुरा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्राथमिकता में है। विकास और जनसुविधाओं के लिए योगी सरकार हमेशा बलिहारी रही है। हजारों करोड़ के प्रोजेक्ट संचालित हो रहे हैं। लेकिन, मौसम का एक झटका इन विकास कार्यों की परतें उधेउ.देता है।

अयोध्या और काशी के बाद मथुरा की बारी तो है लेकिन, जनसुविधाओं की हालत बद से बदतर हुई है। मथुरा और वृंदावन नगरी मूलभूत सुविधाओं को लेकर तरस और तड़प रही है। आने वाले दिनों में गोवर्धन का मुडिया मेला लगेगा। श्रद्धालुओं की अपार भीड़ का प्रभाव मथुरा और वृंदावन शहर में भी रहेगा। इसी क्रम में जन्माष्टमी का त्योहार भी आने वाला है। जनसुविधाओं के लिए ये आयोजन भी चुनौती बनते रहे हैं। ब्रजवासी तो कहते हैं कि नगर आयुक्त साहब, आप सेवा भाव रखेंगे, हम आपको सर आंखों पर बैठा लेंगे।

नवनियुक्त नगर आयुक्त ओजस्वी राज से भी तीर्थनगरी के लोगों को बहुत उम्मीद बन और बढ़ गई हैं। शहर की हालत ये है कि महोली रोड़ का सड़क निर्माण कार्य पूरा हुए 6 माह से भी अधिक हो गये हैं किन्तु फुटपाथ का कार्य अभी तक नहीं हुआ। इसी तरह, पुराने बस स्टेण्ड से होलीगेट की सड़क का निर्माण भी लगभग 6 माह पूर्व पूरा हो चुका है किन्तु वहां भी नाली निर्माण एवं फुटपाथों का निर्माण नहीं हो पाया है। कृष्णा पुरी तिराहे से भरतपुर गेट की सड़क निर्माण इस अनुरोध के बावजूद कि सड़क की ऊंचाई न बढे, लगभग 10 से 12 इंच सड़क ऊंची कर दी गयी। बरसात होते ही दुकानों के सामने जल भराव हो जाता है। बरसात तो पूरे शहर में आफत बरसा देती है। पिछले सप्ताह हुई बारिश से पूरा नगर कई दिनों तक हाहाकार करता रहा था। चौक बाजार में बनाई गई प्लास्टिक कोटेड सड़क ने तो सिस्टम की इंजीनियरिंग को मजाक बना दिया है।

गंगाजल पाइप लाइन डालने के लिए गुरुद्वारा मसानी से लेकर जन्मभूमि होते हुये भूतेश्वर चैराहे तक सड़क खोदी गयी है जिसके गिट्टी, पत्थर तथा अन्य मैटेरियल विभिन्न स्थानों पर पड़े हैं जिसके चलते दुर्घटनायें हो रही हैं। जो पैचिंग की गयी है उसमें भी मसानी से लेकर डीग गेट चैकी तक दर्जनों गड्ढ़े हो गये हैं। कोतवाली रोड स्थित भैंस बहोरा मार्ग जोकि मथुरा जंक्शन से शहर को जोड़ेने तथा लगभग आधा दर्जन विद्यालय, महाविद्यालय आदि को जोड़ने वाला मार्ग है उक्त मार्ग पर नाला निर्माण एवं उसे ढंकने के साथ-साथ डलावघर हटाने नहीं हटाए गए हैं। सम्पूर्ण मथुरा शहर में टेलीफोन विभाग एवं बिजली विभाग के हजारों की संख्या में लगे अनुपयोगी खम्बे यातायात को बाधित करते हैं। होली गेट के समीप स्थित गोविन्द गंज में सड़क-नाली का निर्माण नहीं हुआ है। गोवर्धन चौराहे पर ढकेल वालों का कब्जा बना रहता है।जबकि इनके लिए वैंडिंग जोन है।

नगर में अतिक्रमण की भरमार है। शहर के कृष्णा नगर को कनॉट प्लेस बनाने की योजना बनी थी। अधिकारियों के अमले ने पूरे क्षेत्र का भ्रमण किया था। यहां पर शाम को लगने वाला भीषण जाम हाहाकार मचा देता है। शोरूम के बाहर सड़क तक दुकानें और फड़ सजते हैं। शहर के पुराने बाजारों में भी अतिक्रमण से सड़कें संकरी हो गई हैं।

ऐसी स्थिति वृंदावन में भी है। वीआइपी हों या अधिकारी, उनकी गाड़ियां तो पुलिस एस्कार्ट में फरार्टा भरते हुए गंतव्य तक पहुंच जाती हैं। लेकिन, दूसरे शहरों से आने वाले श्रद्धालुओं से पूछिए। यहां आकर उन्हें लगता है कि कहां फंस गए।

स्थानीय लोगों से भी पूछिए। अपने घर से कार से निकलने से पहले सोचते हैं और वापसी में घर पहुंचने के लिए रास्ते में जगह-जगह मिलने वाले भीषण जाम उन्हें चिंतित कर देता है। हालात बेकाबू होने पर वृंदावन सिविल सोसायटी को व्यवस्था संचालन के लिए सड़कों पर उतरना पड़ा था। साफ सफाई का आलम ये है कि पुराने नगर की नालियां गंदे पानी से बजबजाती हैं। सड़कों पर गंदगी फैली रहती है।

मैं गांधी या नायक नहीं, अपने जीवन के नायक स्वयं बनें: सोनम वांगचुक

एजेंसी, नई दिल्ली।

नयी दिल्ली में परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के विरोध में जंतर-मंतर पर चल रहे धरने के बीच, जाने-माने शिक्षाविद् और जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने देश के नागरिकों से एक बेहद महत्वपूर्ण अपील की है। वांगचुक ने लोगों से आग्रह किया है कि वे किसी और के नेतृत्व का इंतजार करने के बजाय अपने जीवन के 'नायक' खुद बनें। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि वह कोई 'आधुनिक गांधी' या नायक नहीं हैं, बल्कि सिर्फ एक सामान्य नागरिक हैं जो अपना कर्तव्य निभाने का प्रयास कर रहे हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जारी एक वीडियो में सोनम वांगचुक ने आंदोलन को मिल रहे समर्थन के लिए लोगों का आभार जताया, लेकिन साथ ही दो तरह की टिप्पणियों पर अपनी निराशा और असहजता भी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि कई लोग उन्हें 21वीं सदी का गांधी या नायक कहते हैं, लेकिन वह न तो गांधी हैं और न ही कोई नायक। वह सिर्फ एक सामान्य नागरिक हैं जो अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। उन्होंने लोगों से कहा कि वे किसी और में नायक तलाशने के बजाय खुद अपनी नागरिक जिम्मेदारियां उठाएं।

परीक्षा से जुड़ी अनियमितताओं के कारण परेशान छात्रों की खुदकुशी की घटनाओं का जिक्र करते हुए वांगचुक ने लोगों से मूकदर्शक न बने रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि अगर पीड़ित छात्रों में से कोई किसी की बहन या बेटी होती तो लोग जरूर जुड़ते, इसलिए उस स्थिति का इंतजार किए बिना आंदोलन का हिस्सा बनें। उन्होंने यह भी कहा कि जो लोग दिल्ली नहीं आ सकते, वे जहां हैं वहीं से अनशन कर सोशल मीडिया पर अपना संदेश साझा करें।

वांगचुक ने आगामी 20 जुलाई को संसद तक होने वाले शांतिपूर्ण मार्च में लोगों से बड़ी संख्या में शामिल होने का आह्वान किया है ताकि सांसदों का ध्यान इस मुद्दे पर खींचा जा सके। उन्होंने कहा कि लोगों को उनकी तरह 24 दिन भूखे रहने की जरूरत नहीं है, वे भोजन करके आएं लेकिन एक नागरिक के रूप में अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए 20 जुलाई को संसद मार्च का हिस्सा बनें। उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्हें प्रदर्शन स्थल से हटाने की कोई भी कोशिश उनके शांतिपूर्ण विरोध के संवैधानिक अधिकार का उल्लंघन होगी।इस आंदोलन के जरिए कॉजपा ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और परीक्षा अनियमितताओं के कारण आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिवारों को एक-एक करोड़ रुपये का मुआवजा देने की मांग की है। संसद के मानसून सत्र के पहले दिन यानी 20 जुलाई को संगठन ने संसद तक शांतिपूर्ण मार्च का एलान किया है। बता दें कि यह प्रदर्शन 20 जून को शुरू हुआ था और वांगचुक 28 जून से इस अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे हैं।

पायलट का केंद्र और यूपी सरकार पर तीखा हमला

टीएनएफ टुडे, आगरा।

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने आगरा दौरे के दौरान राम मंदिर चंदा चोरी और कथित जमीन घोटाले के मुद्दे पर केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोला।

उन्होंने आरोप लगाया कि श्रद्धालुओं की आस्था के साथ खिलवाड़ हुआ है और पूरे मामले में बड़े लोगों को बचाने का प्रयास किया जा रहा है। पायलट ने मंदिर समिति को तत्काल बर्खास्त कर सुप्रीम कोर्ट के मौजूदा न्यायाधीश की निगरानी में निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। मीडिया से बातचीत में सचिन पायलट ने कहा कि राम मंदिर चंदा और जमीन से जुड़े कथित घोटाले कोई एक बार की घटना नहीं हैं, बल्कि बार-बार होने वाली गंभीर अनियमितताओं का मामला हैं। उनका आरोप था कि एसआईटी के नाम पर केवल औपचारिक कार्रवाई की जा रही है, जबकि असली जिम्मेदारों तक जांच नहीं पहुंच रही।उन्होंने सवाल उठाया कि जब विपक्ष से जुड़े मामलों की बात आती है तो केंद्रीय जांच एजेंसियां तत्काल सक्रिय हो जाती हैं, लेकिन इस मामले में एजेंसियों की चुप्पी कई सवाल खड़े करती है। पायलट ने मांग की कि जांच पूरी होने तक मंदिर समिति को बर्खास्त रखा जाए और जिन लोगों के नाम आरोपों में सामने आए हैं, उनसे नैतिक आधार पर इस्तीफा लिया जाए। सचिन पायलट ने कहा कि वह किसी राजनीतिक दल की ओर से नहीं, बल्कि जनता की ओर से जवाब मांग रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सरकार का दायित्व है कि वह जनता और विपक्ष द्वारा उठाए गए सवालों का पारदर्शी तरीके से जवाब दे।

देश के 70 प्रतिशत हिस्से से मानसूनी बादल गायब

एजेंसी, नई दिल्ली।

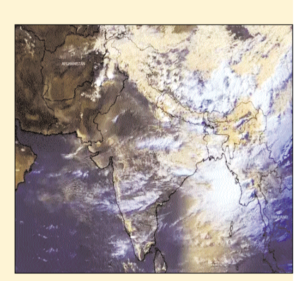

पूर्वी मध्य प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र समेत देश के 7 राज्यों में अगले 5 दिन कम बारिश होने की संभावना है। ऐसा इसलिए, क्योंकि देश के 70% हिस्से से बादल गायब हो गए हैं। आईएमडी की नई सैटेलाइट तस्वीरों और विंडी.कॉम के मुताबिक बादल पूर्व और पूर्वोत्तर के राज्यों जैसे- उत्तराखंड, यूपी, बिहार, मेघालय, मिजोरम और त्रिपुरा की तरफ चले गए हैं।

इधर के देश के जिन हिस्सों में मानसून थोड़ा बहुत सक्रिय है, वहां सड़कों पर पानी भरने, नदियो में बाढ़ आने जैसी घटनाएं हो रही हैं। यूपी के हापुड़ में तेज बारिश से अंडरपास में पानी भर गया। बिजनौर में गंगा और उसकी सहायक मालन नदी उफान पर है। प्रदेश में 3 दिन में 15 लोगों की मौत हो चुकी है।

भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन से उत्तराखंड में 120 सड़कें बंद हो गईं। वहीं, यमुनोत्री नेशनल हाईवे का एक हिस्सा बह जाने के बाद, करीब 100 तीर्थयात्रियों को रस्सियों से बाहर निकाला गया।

हमारे लिए देश की जनसंख्या नहीं, उनकी भावना मायने रखती है

एजेंसी, ऑकलैंड।

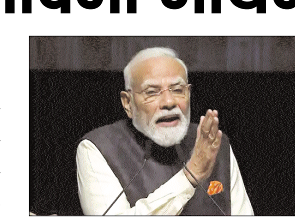

पीएम मोदी ने शनिवार को न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में भारतीय समुदाय को संबोधित किया। इस दौरान पीएम ने करीब तीन दशक पुराना किस्सा सुनाया। पीएम ने कहा- 25-30 साल पहले जब मैं किसी सरकार का हिस्सा नहीं था, तब मुझे यहां आने का मौका मिला था।

उस समय मुझे किसी ने गिफ्ट में 3 चीजें दीं, जो मैं भारत लेकर गया। एक- मफलर, दूसरी- कैप और तीसरा- एक सेट दस्ताना। उसमें भी एक चीज मैं अभी यहां इस कार्यक्रम में भी लेकर आया हूं। इस मफलर को मैंने कई बार इस्तेमाल किया और आज भी संभाल कर रखा है। पीएम ने आगे कहा कि हमारे लिए सामने वाले देश की जनसंख्या नहीं, जनकल्याण की भावना मायने रखती है। और इसलिए हमने न्यूजीलैंड से भी बहुत कुछ सीखा है और अब भी सीख रहे हैं। इस कार्यक्रम के बाद मोदी भारत के लिए रवान हो गए।

इससे पहले मोदी ने प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इसमें 18 बड़े फैसले और 10 समझौतों पर साइन किए गए। दोनों नेताओं ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना बढ़ाकर करीब 35 हजार करोड़ करने का लक्ष्य रखा।

ये कोलेब का जमाना है, दोनों देश साथः अगर हम कंटेंट क्रिएटर्स की भाषा में बात करें तो ये कोलेब का जमाना है। दोनों देश स्पोर्ट्स में भी बहुत शानदार कोलेब कर सकते हैं। रग्बी इसका बहुत बड़ा उदाहरण है। भारत रग्बी में न्यूजीलैंड से सीखना चाहता है। हमें कोच चाहिए, एक्सपर्ट चाहिए। न्यूजीलैंड हमारी बहुत मदद कर सकता है।

कैबिनेट मंत्री ने रामजीत नगर में सड़क निर्माण का किया भूमिपूजन

टीएनएफ टुडे, आगरा।

आगरा दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के विकास को नई गति देते हुए मुख्यमंत्री त्वरित आर्थिक विकास योजना के तहत अलबतिया स्थित रामजीत नगर में सड़क निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन किया गया। उत्तर प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा एवं कैबिनेट मंत्री एवं स्थानीय विधायक योगेंद्र उपाध्याय ने निर्माण कार्य का शुभारंभ करने के साथ क्षेत्रवासियों के बीच जनचौपाल लगाकर उनकी समस्याएं सुनीं और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। जनचौपाल को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि डबल इंजन सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता विकास और जनसेवा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सुशासन और विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है तथा सरकार का लक्ष्य अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है।

उन्होंने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं जैसे मुफ्त राशन, आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना और हर घर नल से जल जैसी पहल ने आमजन के जीवन में बड़ा बदलाव लाया है। उन्होंने कहा कि सरकार तुष्टिकरण नहीं, बल्कि संतुष्टिकरण की नीति के साथ सभी वर्गों के विकास के लिए कार्य कर रही है। रामजीत नगर में शुरू हुए सड़क निर्माण कार्य से स्थानीय लोगों में उत्साह देखने को मिला। क्षेत्रवासियों ने वर्षों पुरानी मांग पूरी होने पर कैबिनेट मंत्री का आभार व्यक्त किया। इस सड़क के बनने से जर्जर मार्ग और जलभराव की समस्या से राहत मिलने के साथ इलाके की कनेक्टिविटी भी बेहतर होगी। इस दौरान कैबिनेट मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय सीमा में पूरा किया जाए। जनचौपाल में आए लोगों की समस्याओं को सुनकर उन्होंने कई मामलों के मौके पर ही निस्तारण के निर्देश भी दिए। कार्यक्रम में डॉ. अलौकिक उपाध्याय, मंडल अध्यक्ष पंडित देवेश पचौरी, भगवान शर्मा, पार्षद मीनाक्षी वर्मा, अविनाश भट्ट, संतोषी लाल वर्मा, मंजू कुशवाह, डॉ. हरिकृपा शुक्ला, पूजा शर्मा, ठाकुर मुनेश परमार, मोहित पांडेय, डॉ. प्रदीप उप्रेती, बबलू चाहर, रविकांत उपाध्याय, पदम सिंह, राजवीर धाकड़, अनुज रोचानी सहित भाजपा कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में क्षेत्रीय निवासी मौजूद रहे।

वियतनाम में टूरिस्ट बोट पलटी, 15 भारतीयों की मौत

एजेंसी, हनोई।

वियतनाम के फु क्वोक द्वीप के पास एक नाव पलटने से 15 पर्यटकों की मौत हो गई। नाव 32 पर्यटकों और चालक दल के चार सदस्यों को होन में रुत से एन थोई बंदरगाह ले जा रही थी। वियतनामी समाचार पोर्टल वीएन एक्सप्रेस इंटरनेशनल ने बताया कि नाव माननीय में रुत नगोई से 400 मीटर दूर डूब गई, जिससे उसमें सवार सभी लोग समुद्र में गिर गए।

बचाव अभियान में जुटे पर्यटक

पलटी हुई नाव को देखने के बाद आसपास के पर्यटक घटनास्थल पर पहुंचे और लोगों को निकालने में जुट गए। बचाव अभियान में शामिल एक नाव के मालिक ने कहा कि उनका जहाज लगभग पांच मिनट के भीतर साइट पर पहुंच गया, लेकिन बचाव कठिन था क्योंकि पलटी हुई नाव के अंदर कई यात्री फंस गए थे। वीएन एक्सप्रेस के हवाले से नाव मालिक ने कहा,

"केवल कुछ लोगों को होश में लाया गया था।"

बचाव अभियान में 35 अधिकारी और सैनिक तैनात

एन थोई बॉर्डर गार्ड ने नौसेना, तट रक्षक और अन्य आपातकालीन कर्मियों के साथ बचाव प्रयासों में शामिल होकर, साइट पर दो जहाजों और 35 अधिकारियों और सैनिकों को तैनात किया।

शनिवार दोपहर तक, बचावकताओं ने स्पीडबोट पर सवार सभी 36 लोगों को बरामद कर लिया था। इक्कीस लोग बच गए, जबकि दो महिलाओं और 13 पुरुषों सहित 15 अन्य की मौत की पुष्टि की गई।

भदरौली में युवक पर ईंट-पत्थर से हमला, गंभीर रूप से घायल

टीएनएफ टुडे, पिनाहट।

थाना क्षेत्र के अंतर्गत कस्बा भदरौली में दुकान पर सामान लेने गए एक युवक पर रास्ते में रोककर ईंट-पत्थरों से जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है। पीड़ित पक्ष की ओर से थाना पिनाहट में नामजद तहरीर देकर सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है।कस्बा भदरौली की रहने वाली सुनीता देवी पत्नी राकेश जोशी ने पुलिस को तहरीर दी है। इसमें बताया कि गुरुवार की रात लगभग 8 बजे उनका देवर भूरी सिंह पुत्र रामहरी पास की ही एक दुकान से बीड़ी-गुटका लेने गया था। आरोप है कि जैसे ही वह रास्ते में पहुंचा तभी रूपेंद्र पुत्र दिनेश जाटव ने उसे बीच रास्ते में ही रोक लिया। आरोपी ने पीड़ित को देखते ही अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए गाली-गलौज शुरू कर दी। जब भूरी ने इसका विरोध किया तो आरोपी ने उस पर ईंट-पत्थरों से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। इस हमले में रवि सिंह के शरीर और सिर पर गंभीर चोटें आई हैं। चीख-पुकार सुनकर जब तक आस-पास के लोग मौके पर पहुंचे। आरोपी वहां से भाग निकला। पीड़ित परिजनों ने घायल को अस्पताल में भर्ती कराया है। जहां उसका इलाज चल रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

वृद्धा को बातों में लगाकर कुंडल उतारे

फतेहपुर सीकरी की घटना, भरतपुर इलाज कराकर लौट रही था

टीएनएफ टुडे, फतेहपुर सीकरी।

भरतपुर से इलाज कराकर लौट रही एक बुजुर्ग महिला को बातों में लगाकर उसके कानों के कुंडल उतार ले जाने की घटना सामने आई है। पुलिस ने दो अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

कस्बा पुलिस चौकी अंतर्गत मोहल्ला इस्लामगंज निवासी पीड़िता के पुत्र बंटी पुत्र राधेश्याम ने थाने में तहरीर दी। उन्होंने बताया कि 10 जुलाई को दोपहर करीब 12:30 बजे उसकी 65 वर्षीय मां रामश्री भरतपुर से इलाज कराकर वापस आ रही थी। तभी गांधी मूर्ति के पास दो अज्ञात लड़कों ने उन्हें बहला-फुसलाकर ऑटो में बैठा लिया। आरोप है कि आरोपियों ने नकली कागज का बंडल देकर टप्पेबाजी करते हुए उनके कान के कुंडल उतार लिए और उन्हें आगरा गेट के पास छोड़कर फरार हो गए। कुछ देर बाद होश आने पर महिला घर पहुंची और घटना की जानकारी दी। थाना फतेहपुर सीकरी पुलिस ने शिकायत के आधार पर दो अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अज्ञात शातिरों की तलाश कर रही है।

कीचड़ में फंसी स्कूली बच्चों की पढ़ाई

कुकथरी में जलमग्न रास्ते से स्कूल पहुंचे छात्र, कई लौटे

- पहली ही बारिश में खुल गई ग्रामविकास की पोल

टीएनएफ टुडे, पिनाहट।

मानसून की पहली बारिश में ही पिनाहट ब्लॉक के ग्राम कुकथरी में विकास कार्यों की हकीकत सामने आ गई। शनिवार सुबह प्राथमिक विद्यालय को जाने वाले छात्र-छात्राओं को जलमग्न और कीचड़ युक्त रास्ते से होकर गुजरना पड़ा। कई बच्चे कीचड़ के कारण स्कूल नहीं पहुंच सके और वापस घर लौट गए।

ग्रामीणों का कहना है कि गांव के विकास कार्यों के लिए सरकार द्वारा बड़ी मात्रा में धनराशि स्वीकृत की गई थी। ग्राम प्रधान द्वारा उसे विकास कार्यों में खर्च होना भी दिखाया गया। लेकिन जमीनी स्तर पर कोई काम नहीं हुआ। स्कूल जाने वाले मुख्य मार्ग पर नाली और पक्की सड़क न होने से थोड़ी सी बारिश में ही रास्ता कीचड़ और पानी से भर गया। गंदे पानी और कीचड़ से होकर गुजरने वाले बच्चों के बीमार पड़ने का डर भी अभिभावकों को सता रहा है। ग्रामीणों में विकास कार्यों की गुणवत्ता को लेकर भारी आक्रोश है।ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि स्कूल मार्ग पर तत्काल मिट्टी डालकर जलनिकासी की व्यवस्था कराई जाए।ताकि बच्चों की पढ़ाई बाधित न हो।

बस डिवाइडर से टकराई, पहिया निकलकर भागा

फतेहाबाद में अवंती चौक की घटना, दो यात्री घायल

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

आगरा-फतेहाबाद मार्ग पर अवंती चौक के पास रोडवेज बस शनिवार सुबह अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में दो महिला यात्री घायल हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फतेहाबाद में भर्ती कराया।

जानकारी के अनुसार भदावर डिपो की एक रोडवेज बस दिल्ली से सवारी लेकर बाह जा रही थी।शनिवार सुबह 3:45 बजे के करीब बस जैसे ही कस्बा के अवंती चौक के पास पहुंची तो अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। इससे बस का अगला पहिया निकल गया। हादसे के बाद बस में बैठी सवारियों में चीख पुकार मच गई। बस में बैठी भूरी देवी पत्नी रक्षपाल निवासी खेड़ा राठौर, आरती पत्नी धर्मेंद्र निवासी दरभंगा बिहार घायल हो गईं। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फतेहाबाद में भर्ती कराया गया। घटना के बाद बस का चालक व परिचालक बस छोड़कर मौके से फरार हो गए। बाकी सवारियों को पुलिस ने दूसरी बस से उनके गंतव्य के लिए रवाना कर दिया है।

ऊर्जामंत्री के जन्मदिन पर बटेश्वर में जलाभिषेक

पिनाहट (आगरा)। उत्तर प्रदेश के ऊर्जा एवं नगर विकास मंत्री अरविंद शर्मा के जन्मदिवस पर शनिवार को परमार्थ धाम बटेश्वर में विशेष पूजा का आयोजन किया गया। परमार्थ धाम के प्रमुख पं. बृजेश शास्त्री पुरोहित ने सिद्ध श्री परमार्थेश्वर महादेव मंदिर में मंत्री के दीघार्यु और स्वस्थ जीवन के लिए भव्य जलाभिषेक किया।\ जलाभिषेक के दौरान वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवान शिव से प्रदेश की सुख-समृद्धि और मंत्री के मंगलमय जीवन की प्रार्थना की गई। पं. बृजेश शास्त्री ने कहा कि मंत्री जी के नेतृत्व में प्रदेश में ऊर्जा और नगर विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हो रहे हैं। ईश्वर उन्हें शतायु करे और वे इसी तरह प्रदेश की सेवा करते रहें। इस अवसर पर बाबा देवानंद, राकेश दास, पवन पंडित, अजीत शर्मा, चंदन यादव सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

खेरागढ़ थाना दिवस में आई 8 शिकायतें

खेरागढ़। माह के दूसरे शनिवार को थाना प्रभारी हरीश कुमार शर्मा की अध्यक्षता में थाना दिवस आयोजित हुआ। जिसमें कुल आठ शिकायतें आई। जिनमें से एक शिकायत का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। सभी शिकायतें राजस्व से संबंधित थी। इस दौरान थाना दिवस अधिकारी के साथ-साथ राजस्व के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे '

वन माफिया ने नीम के पेड़ काटे

खेरागढ़। विकास खंड के घंसपुरा सरेंडा में हरे विशाल नीम के पेड़ों को काट दिया गया। ग्रामीण लक्ष्मण सिंह ने क्षेत्रीय वन अधिकारी को शिकायत कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। शिकायती पत्र में लक्ष्मण सिंह एवं शिव कुमार गोस्वामी ने कहा है कि गांव में उनकी एवं रामप्रकाश व हरिशंकर आदि की सम्मलित जमीन है। उसी भूमि में खड़े करीब 30 वर्ष पुराने नीम के विशाल दो दरख्तों को बिना वन विभाग से परमीशन लिये हरिशंकर एवं रामप्रकाश द्वारा बीते एक जुलाई को कटवा दिया गया है। आरोप है कि शिकायत के बाद वन विभाग के अधिकारी मौके पर कटे पेड़ों को देख कर चले गए परंतु अभी तक आरोपियों के खिलाफ कोई भी कार्रवाई नहीं की गई है। आरोप है कि उन्होंने पेड़ों के समीप ही बने मंदिर एवं पूर्वजों के चबूतरों को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। क्षेत्रीय वन अधिकारी समयक कैन ने बताया कि शिकायत मिलने पर विभागीय टीम को मौके पर भेजा गया था। कटी हुई लकड़ी जब्त कर ली गई है। मामले में आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराकर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

रालोदः विधानसभा चुनाव की तैयारी बैठक आज

खेरागढ़। राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) जिला संगठन आगरा की मासिक बैठक रविवार को सुबह 11 बजे निजी पब्लिक स्कूल, खेरागढ़ में होगी। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष पं. गोविंद शर्मा करेंगे। बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों, बूथ कमेटियों के गठन एवं जोन कोऑर्डिनेटरों की नियुक्ति पर चर्चा की जाएगी। कार्यक्रम में संगठन के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक शामिल होंगे।

पौधों के संरक्षण का आह्वान

बिचपुरी। राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस के उपलक्ष्य में आरबीएस कॉलेज, बिचपुरी के कृषि संकाय में एग्रीविजन आगरा एवं उद्यान विज्ञान विभाग के सौन्दर्यीकरण अनुभाग के संयुक्त तत्वावधान में वृक्षारोपण महाअभियान का शुभारंभ किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. विजय श्रीवास्तव ने अपने संदेश में कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों से अधिकाधिक पौधे लगाने तथा उनके संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया। एग्रीविजन ब्रज प्रांत प्रमुख डॉ. ब्रजेश कुमार एवं कृषि संकाय के परीक्षा संयोजक प्रो. जी.के. सिंह ने पौधरोपण कर अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर प्रोफेसर भीमसेन, इं. अजीत सिंह, रूस्तम, सौम्या, अनुराग, प्रीती, कविता, स्नेहा, अभिषेक, अनुभव, नरेन्द्र सहित अनेक छात्र-छात्राओं ने सहभागिता करते हुए पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

जनगणना कार्य के बदले मिले अवकाश

फतेहपुर सीकरी। जनगणना-2026 बेसिक शिक्षा परिषद के सभी कार्मिक, जिन्होंने ग्रीष्मकालीन अवकाश में जनगणना के प्रथम चरण को समय पर पूर्ण कराया, उनके लिए उपार्जित अवकाशकी मांग की गई है। इस संबंध में सचिव बेसिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश को निर्वाचन कर्मचारी वेलफेयर समिति ने पत्र भेज कर ग्रीष्मकालीन छुट्टियां के एवज में अवकाश दिए जाने की मांग की है। इनमें प्रमुख रूप से प्रदेश महामंत्री मानवेंद्र सिंह तोमर अजय सिंह कोषाध्यक्ष, रवि कुमार सक्सेना, अजय प्रकाश सिंह, संजय कुमार सिंह, नीरज वरुण,यशवेंद्र सिंह आदि शामिल रहे।

सांड़ से टकराई बाइक, वृद्धा की मौत

फतेहाबाद। आगरा-फतेहाबाद मार्ग पर मार्ग पर शुक्रवार को दो सांड़ आपस में लड़ गए। तभी सड़क पर आ रही बाइक से टकरा गए। हादसे में वृद्ध मां और पुत्र घायल हो गए। बाद में इलाज के दौरान वृद्धा की मौत हो गई। घटना की जानकारी से परिवार में कोहराम मच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार चतुर सिंह पुत्र भोगीराम निवासी कुतकपुर साहब थाना नगला सिंघी जिला फिरोजाबाद अपनी मां प्रेमा देवी (70 वर्ष) के साथ फतेहाबाद क्षेत्र गांव बड़ी बसई से वापस घर लौट रहे थे। तभी वाजिदपुर के सड़क पर आवारा सांड़ लड़ते हुए उनकी बाइक से टकरा गए। जिससे वृद्ध मां और बेटा सड़क पर गिरकर घायल हो गए। हादसे में वृद्ध मां प्रेमा देवी गंभीर रूप से घायल हो गई।

सांड़ ने अधिवक्ता को उठाकर पटका, घायल

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

फतेहाबाद। कस्बा में काले सांड का आतंक मचा है। घर के बाहर गेट पर खड़े अधिवक्ता को सांड ने उठाकर पटक दिया। इससे अधिवक्ता गंभीर रूप से घायल हो गए। शोर सुनकर कर पहुंचे आसपास के लोगों ने उन्हें बचाया। जानकारी के अनुसार राधेश्याम शर्मा (70) पुत्र मिश्रीलाल शर्मा बादशाही बाग तहसील में वरिष्ठ अधिवक्ता हैं। रोजाना की तरह कस्बा फतेहाबाद के काली नगर स्थित अपने घर का गेट खोल रहे थे। तभी सामने से काला सांड आ गया। वह अधिवक्ता को देखकर अचानक हिंसक हो गया और उन पर हमला कर दिया। अधिवक्ता को अपने सिर पर उठाकर कई बार पटका। इस बीच अधिवक्ता की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर दौड़े और किसी तरह सांड़ से अधिवक्ता को बचाया। हमले से अधिवक्ता के सिर तथा पैर में गंभीर चोट आई हैं। जिन्हें परिजन अस्पताल ले गए हैं। कॉलोनी के लोगों ने बताया कि काला सांड कई बार हमला कर चुका है। कस्बे में इसका आतंक है। सांड़ बस स्टैंड और बाजार में भी कई लोगों पर हमले कर चुका है।

सैंया राजकीय विद्यालय में रोपे फलदार पौधे

टीएनएफ टुडे, खेरागढ़।

प्रदेश सरकार के वृक्षारोपण महाअभियान के अंतर्गत शनिवार को राजकीय महाविद्यालय सैया, खेरागढ़ में प्राचार्य डॉ. रविंद्र कुमार के निर्देशन में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान परिसर में कनेर, कंज, अमरूद, जामुन, जंगल जलेबी और गुलमोहर सहित विभिन्न फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण किया गया। प्राचार्य डॉ. रविंद्र कुमार ने कहा कि पौधरोपण तभी सार्थक है जब लगाए गए पौधों का नियमित संरक्षण और देखभाल भी सुनिश्चित की जाए। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. विशाल भास्कर, डॉ. हुकुम सिंह, डॉ. अनिल कुमार गौतम, डॉ. रेखा सुमन, पर्यावरण समिति के प्रभारी डॉ. विजय आनंद गौतम, दिनेश कुमार लवानिया, राजा बाबू, बृजमोहन सहित महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए पौधे लगाए और उनके संरक्षण का संकल्प लिया।

रैली निकाल परिवार नियोजन का दिया संदेश

टीएनएफ टुडे, सैंया

ब्लॉक सैंया स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) सैंया में विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली का उद्देश्य लोगों को परिवार नियोजन, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य तथा जनसंख्या नियंत्रण के प्रति जागरूक करना था। रैली में चिकित्सकों, स्वास्थ्यकर्मियों, आशा एवं एएनएम कार्यकर्ताओं ने जनसंख्या स्थिरता, छोटे परिवार के लाभ और स्वस्थ जीवन से जुड़े संदेशों वाली तख्तियां लेकर लोगों को जागरूक किया। इस दौरान स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि सीमित एवं स्वस्थ परिवार समाज और देश के बेहतर भविष्य की नींव है। उन्होंने लोगों से परिवार नियोजन के साधनों को अपनाने तथा स्वास्थ्य विभाग द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की। जागरूकता रैली का समापन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में हुआ। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

सीएचसी खंदौली गोष्ठी आयोजित

खंदौली (आगरा)। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर शनिवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) खंदौली में जनसंख्या स्थिरता पखवाड़े का शुभारंभ गोष्ठी एवं जागरूकता रैली के साथ किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को परिवार नियोजन के प्रति जागरूक कर बढ़ती जनसंख्या पर नियंत्रण के लिए प्रेरित करना रहा। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सुनील कुमार ने कहा कि सीमित एवं स्वस्थ परिवार ही समृद्ध समाज की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि जनसंख्या नियंत्रण केवल सरकार की नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। गोष्ठी के उपरांत स्वास्थ्य कर्मियों ने जागरूकता रैली निकालकर लोगों को छोटे परिवार, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य तथा परिवार नियोजन के महत्व का संदेश दिया। इस अवसर पर डॉ. सुनीता भागिया, क्यामुद्दीन (बीपीएम), दिनेश (फार्मेसिस्ट), अजय (फार्मेसिस्ट), प्रीति (एएनएम), अंजना (स्टाफ नर्स), तरुण पाठक, महेश कुमार, कुलदीप सिंह, देशराज उपस्थित रहे।

मजदूरों को निःशुल्क परामर्श दे रहे डॉक्टर राकेश

किरावली। तहसील क्षेत्र के किरावली कस्बा प्राइमरी स्कूल के समीप मेन बाजार में न्यूरो विशेषज्ञ डॉक्टर राकेश फौजदार गरीब मजदूरों ग्रामीण क्षेत्र से आये लोगों को निशुल्क परामर्श देकर ग्रामीणों को अपनी सेवाएं दे रहे हैं। न्यूरो विशेषज्ञ विशेष रूप से माइग्रेन, चक्कर, दिमाग, रीड की हड्डी में चोट, गर्दन, कंधा, कमर, हाथ पैरों में कमजोरी, सुन्नापन, ब्रेन हेमरेज, मिर्गी के दौरे, याददाश्त में कमी, बच्चों के मानसिक और शारीरिक विकास के बारे में परामर्श देकर बड़ी संख्या में ग्रामीण महिला पुरुष बच्चों को ठीक कर चुके हैं। उनकी इस पहल का कस्बा के लोगों ने प्रशंसा की है।

सड़क हादसे में बाइक चालक की मौत

सैंया। थाना सैंया क्षेत्र में शनिवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, इरादतनगर निवासी सोनू अपनी मोटरसाइकिल से इरादतनगर से सैंया की ओर आ रहा था। जैसे ही वह ग्राम रजपुरा के पास पहुंचा, तभी किसी अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि सोनू गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस और स्थानीय लोगों ने तत्काल घायल को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) सैंया भेजा, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश में जुट गई।

अमृतकाल में छात्र शक्ति की भूमिका पर मंथन

राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस पर संगोष्ठी आयोजित

टीएनएफ टुडे, खेरागढ़।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, आगरा जिला की खेरागढ़ नगर इकाई द्वारा राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस के उपलक्ष्य में अमृतकाल में छात्र शक्ति की भूमिका विषय पर संगोष्ठी का आयोजन सरस्वती विद्या मंदिर, खेरागढ़ में हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाचार्य मनोज चौधरी ने की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी केवल अपने भविष्य के निर्माता नहीं, बल्कि राष्ट्र के वर्तमान और भविष्य की सबसे बड़ी शक्ति हैं। शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं, बल्कि चरित्रवान, संस्कारित और राष्ट्र के प्रति समर्पित नागरिक तैयार करना भी है। अमृतकाल में विद्यार्थियों को अनुशासन, नैतिक मूल्यों और सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। सागर राणा ने कहा कि आज का युवा विकसित भारत के संकल्प का सबसे महत्वपूर्ण आधार है। विद्यार्थी परिषद वर्षों से छात्र शक्ति को राष्ट्र शक्ति के रूप में संगठित कर समाज और राष्ट्र के प्रति उत्तरदायी नेतृत्व तैयार करने का कार्य कर रही है। प्रत्येक विद्यार्थी को अपने व्यक्तित्व विकास के साथ-साथ समाज के प्रति अपने दायित्वों का भी निर्वहन करना चाहिए। विभाग संगठन मंत्री रजत जोशी ने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का उद्देश्य विद्यार्थियों में राष्ट्रभक्ति, सामाजिक समरसता, सेवा और नेतृत्व की भावना का विकास करना है। अमृतकाल भारत के लिए स्वर्णिम अवसर है और इस कालखंड में छात्र शक्ति की सक्रिय भागीदारी विकसित, आत्मनिर्भर और सशक्त भारत के निर्माण की आधारशिला बनेगी। विद्यार्थियों को अध्ययन के साथ सामाजिक एवं राष्ट्रीय गतिविधियों में भी बढ़-चढ़कर सहभागिता करनी चाहिए। कार्यक्रम में मुख्य रूप से मोहित सिकरवार प्रांत सह एग्रिविजन संयोजक, शुभ शर्मा जिला संयोजक, धर्मेंद्र बघेल, रुद्र प्रताप, ललित बघेल एवं सौरभ सहित विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

हादसा

सुभाष बाजार हादसे का सीसीटीवी आया सामने

मलबे के साथ नाले में समाई महिला, 72 घंटे बाद भी सुराग नहीं

हादसे के बाद नगर निगम ने नालों पर बने अवैध निर्माणों और जर्जर भवनों को लेकर जारी किए 40 नोटिस

टीएनएफ टुडे, आगरा।

आगरा के थाना मंटोला क्षेत्र स्थित सुभाष बाजार में हुए दर्दनाक हादसे का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। फुटेज में दिखाई दे रहा है कि 60 वर्षीय गंगा देवी दुकान के बाहर बंद शटर के पास बैठी थीं। इसी दौरान अचानक नाले के ऊपर बनी दुकान भरभराकर ढह गई और महिला मलबे के साथ नाले में समा गईं। हादसे के 72 घंटे बीत जाने के बावजूद गंगा देवी का अब तक कोई सुराग नहीं लग सका है। घटना के बाद से पुलिस, नगर निगम, अग्निशमन विभाग, एसडीआरएफ और पीएसी की टीमें लगातार राहत एवं बचाव कार्य में जुटी हुई हैं। तीसरे दिन भी रेस्क्यू अभियान जारी है। जेसीबी और अन्य भारी मशीनों की मदद से मलबा हटाया जा रहा है, जबकि नाले की भी लगातार तलाश की जा रही है। गौरतलब है कि भारी बारिश के कारण सुभाष बाजार में नाले के ऊपर बनी दो मंजिला दुकान अचानक ढह गई थी। हादसे के समय गंगा देवी दुकान के बाहर बैठी थीं। दुकान गिरते ही वह मलबे के साथ नाले में समा गईं। घटना के बाद पूरे बाजार क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई थी। इस हादसे के बाद नगर निगम हरकत में आ गया है। निगम प्रशासन ने नालों पर बने अवैध निर्माणों और जर्जर भवनों के खिलाफ बड़ा अभियान शुरू करते हुए 40 भवन स्वामियों और किरायेदारों को नोटिस जारी किए हैं। इनमें सबसे अधिक प्रतिष्ठान हींग की मंडी क्षेत्र के हैं, जहां बड़ी संख्या में दुकानें नालों के ऊपर बनी हुई हैं। नगर निगम ने संबंधित लोगों को तत्काल प्रभाव से भवनों की मरम्मत कराने, खतरनाक हिस्सों को हटाने और नालों पर हुए अतिक्रमण को समाप्त करने के निर्देश दिए हैं। निगम ने स्पष्ट किया है कि तय समय सीमा के भीतर कार्रवाई नहीं होने पर प्रशासन स्वयं ऐसे निमार्णों को ध्वस्त करेगा और उसका खर्च भवन मालिकों से वसूला जाएगा। नगर आयुक्त संतोष कुमार वैश्य ने कहा कि नगर निगम की टीमें लगातार जर्जर भवनों और अवैध निमार्णों की निगरानी कर रही हैं।

उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि यदि उनके आसपास कोई भवन खतरनाक स्थिति में है या नाले पर अवैध निर्माण किया गया है तो इसकी सूचना तत्काल नगर निगम को दें। नगर निगम के निर्माण विभाग ने उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1959 की धारा 331(1) के तहत विभिन्न क्षेत्रों में नोटिस जारी किए हैं। लोहामंडी, हरीपर्वत, छत्ता और ताजगंज जोन में स्थित जर्जर भवनों और नालों पर बने प्रतिष्ठानों को चेतावनी दी गई है। हींग की मंडी में जगदीश डेयरी, प्रिंस ट्रेडर्स, पूजा डेयरी, जैन फुटवियर, सनराइज फुटवियर, ओम ट्रेडर्स और कई अन्य प्रतिष्ठानों को नोटिस भेजा गया है। उधर, शुक्रवार को प्रभावित कारोबारियों और नगर निगम अधिकारियों के साथ हुई बैठक में जिलाधिकारी मनीष बंसल ने साफ शब्दों में कहा कि नालों के ऊपर अब किसी भी प्रकार का निर्माण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नालों पर बने अवैध निमार्णों को हटाने की कार्रवाई की जाए और भविष्य में इस तरह के हादसों की पुनरावृत्ति रोकी जाए। सुभाष बाजार हादसे ने शहर में नालों के ऊपर बने अवैध निमार्णों और जर्जर भवनों की गंभीर समस्या को एक बार फिर उजागर कर दिया है। लगातार बारिश के बीच ऐसे निर्माण लोगों की जान के लिए खतरा बने हुए हैं।

डॉ. एमपीएस कॉलेज में रोजगार मेला 14 को

टीएनएफ टुडे, आगरा।

सहायक निदेशक (सेवायोजन) चंद्रचूड़ दुबे ने अवगत कराया है कि क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय आगरा एवं डॉ. एमपीएस कॉलेज ऑफ बिजनेस स्टडीज, सिकन्दरा, आगरा के सयुंक्त तत्वावधान में 14 जुलाई को प्रातः 10 बजे से कॉलेज परिसर में एक दिवसीय निःशुल्क रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। मेले में निजी क्षेत्र के एनआईआईटी लिमिटेड, टेलीपरफॉरमेंस ग्लोबल बिजनेस प्रालि, बिम लीप मैनेजमेंट प्रा.लि., स्पैक्ट्रम टेलैन्ट मैनेजमेंट लि., श्रीराम लाइफ इंश्योरेंस क.लि., कोजेन्ट ई सर्विसेज, टीमलीज सर्विसेज लि., एल.आई.सी., होटल कोर्टयार्ड बाइ मैरियट, होटल क्लार्क्स शिराज, एसीपीएल एक्सपोर्ट्स प्रालि, अरविन्द व्हीकल प्रालि आदि नियोजकों द्वारा 1500 से अधिक तकनीकी एवं गैर तकनीकी पदों हेतु परीक्षा/साक्षात्कार के माध्यम से चयन की कार्यवाही सम्पादित की जायेगी। उन्होंने कहा कि मेले में हाईस्कूल, इण्टरमीडिएट, स्नातक, परास्नातक आईटीआई, डिप्लोमा, होटल मैनेजमेंट एवं प्रोफेशनल कोर्स उत्तीर्ण 18 से 35 वर्ष तक के पुरूष/महिला अभ्यर्थी प्रतिभाग कर सकते हैं।

चयनित अभ्यर्थियों का कार्यक्षेत्र आगरा, मथुरा, नोएडा, दिल्ली एनसीआर, गुरूग्राम एवं गाजियाबाद होगा। रोजगार मेला पूरी तरह से निःशुल्क है। मेले में प्रतिभाग करने वाले अभ्यर्थियों को किसी प्रकार का मार्ग व्यय देय नहीं होगा।

एनसीसी का उद्देश्य नेतृत्व क्षमता का विकास करना

टीएनएफ टुडे, आगरा।

श्रीराम आदर्श महाविद्यालय पनवारी में वन यूपी बटालियन, एनसीसी का कैंप चल रहा है। इसमें फर्स्ट अफसर विकास मिश्रा ने कहा कि एनसीसी का मुख्य उद्देश्य केवल अनुशासन सिखाना नहीं बल्कि ऐसे युवा तैयार करना जो समाज और राष्ट्र का प्रभावी नेतृत्व कर सके और आवश्यकता पड़ने पर दूसरों का मार्गदर्शन कर सकें। लेफ्टिनेंट वरुण कुमार ने अपने व्याख्यान में कैडेट्स को एनसीसी संगठन को विस्तार से समझाया और कैडेट्स की जिज्ञासाओं का समाधान किया। सूबेदार मेजर निर्मल सिंह व ट्रेनिंग जेसीओ एच आर यादव ने बताया की कंपनी के अनुसार विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं, सांस्कृतिक कार्यक्रम, और खेलकूद संपन्न हुए। जिसमें रस्सा कशी, टेंट पिकटिंग और वॉलीबॉल में कैडेट्स ने जोर आजमयश की। प्रतियोगिताओं को नायब सूबेदार योगेश सिंह, बीएचएम मोहम्मद मोइनुद्दीन, हवलदार मानवेंद्र सिंह, हवलदार मोहिंदर, हवलदार पवन रेग्मी, हवलदार बेगम थापा, हवलदार हरदीप सिंह, नायक अभिषेक हवलदार शिलास थापा मौजूद रहे।

कंट्रोल रूम से हो रही पौधारोपण की निगरानी

- फलदार पौधों का जियो टैगिंग करने के भी निर्देश

टीएनएफ टुडे, आगरा।

जिले में पौधारोपण का सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन लगातार चल रहा है।जिलाधिकारी मनीष बंसल के निर्देशन में वन विभाग के सहयोग से विभिन्न विभागों द्वारा आवंटित पौधारोपण लक्ष्य के सापेक्ष पौधे लगाए जा रहे हैं। इस कार्य की कंट्रोल रूम के माध्यम से मानीटरिंग भी की जा रही है। स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, नगर पालिकाओं, नगरीय विकास विभाग, पीडब्ल्यूडी, पंचायती राज विभाग आदि द्वारा वन विभाग की विभिन्न नर्सरियों से पौधों का उठान किया जा रहा है।

शनिवार को शिक्षा विभाग के अंतर्गत सभी स्कूलों में पौधारोपण किया गया। पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा विभिन्न मार्गों पर पौधारोपण किया गया।

कल विशाल जनसहभागिता के साथ पौधारोपण कार्य हेतु गड्ढा खुदान, पौधों की आपूर्ति हेतु जिला प्रशासन द्वारा लगातार मॉनिटरिंग का कार्य कंट्रोल रूम के माध्यम से किया जा रहा है। जिलाधिकारी ने वृक्षारोपण के साथ मंगल वाटिका,औषधीय एवं हर्बल पौधों, पोषण वाटिका तथा फलदार पौधों का जियो टैगिंगरोपण सुनिश्चित करनेके निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी ने बताया कि रविवार को शास्त्रीपुरम डी-ब्लॉक में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में केंद्रीय राज्यमंत्री एसपी सिंह बघेल, कैबिनेट मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय, महापौर हेमलता दिवाकर कुशवाह सहित जनपद के जनप्रतिनिधिगण तथा शासन द्वारा नामित जनपद के नोडल अधिकारी प्रमुख सचिव, व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग डॉ. हरिओम जी की गरिमामयी उपस्थिति में वृक्षारोपण किया जाएगा।

सुरक्षा की ओर एक कदम, ट्रेन में यात्रा कर रही महिलाओं की हमसफर बन रही 'मेरी सहेली'

टीएनएफ टुडे, आगरा।

मंडल रेल प्रबंधक आगरा श्री गगन गोयल के दिशा निर्देशन व वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त श्री पी. राज मोहन के निर्देशन में आगरा मंडल में आरपीएफ ने अप्रैल से जून 2026 तक यात्रा के दौरान महिला यात्रियों की सहायता के लिए ऑपरेशन ₹मेरी सहेली₹ शुरू किया गया है, इस ऑपरेशन के तहत आरपीएफ की टीमो द्वारा कुल 64,800 महिला यात्रियों को सहायता प्रदान की गई है। रेलवे प्रशासन इन दिनों ट्रेनों में अकेली यात्रा कर रही महिलाओं को यात्रा के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो और सुरक्षित उनको गंतव्य तक पहुंचने के लिए मेरी सहेली योजना चलाई जा रही है। यह योजना लंबी दूरी की ट्रेनों में लागू किया गया है। जनसम्पर्क अधिकारी श्री संजय कुमार गौतम ने बताया कि मेरी सहेली योजना के तहत अकेली महिला यात्रियों की यात्रा की पूरी जानकारी गाड़ी के प्रारंभ स्टेशन से ही अगले नामित स्टेशनों में रेलवे सुरक्षा बल की महिला बल को दी जाती है। जिससे स्टेशन में ट्रेन के आगमन होते ही मेरी सहेली की टीम ट्रेनों में जाकर महिला यात्रियों से संपर्क कर बात करती है, साथ ही उनको होने वाली परेशानियों को दूर करने का पूरा प्रयास किया जा रहा है। ऐसे में इन दिनों अकेली यात्रा कर रही महिलाएं खुद को सुरक्षित महसूस कर रही है। इसमें महिला कांस्टेबल की ड्यूटी लगाई है, जो आगरा मण्डल से गुजरने वाली सभी ट्रेनों की जांच कर महिला यात्रियों को सुरक्षा प्रदान कर रही है।

पुरानी पेंशन बहाली के लिए हस्ताक्षर अभियान शुरू

टीएनएफ टुडे, आगरा।

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ (पाण्डेय गुट) के आह्वान पर पुरानी पेंशन योजना की बहाली एवं शिक्षकों की विभिन्न लंबित समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर जनपद आगरा में शनिवार को हस्ताक्षर अभियान का शुभारम्भ हुआ। स्टुअर्ट वार्ड मैमोरियल हायर सेकेण्डरी स्कूल सिकंदरा में प्रथम दिवस हस्ताक्षर अभियान आदर्श सिंधी इंटर कॉलेज आगरा, चित्रगुप्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में भी हुआ। माध्यमिक शिक्षक संघ (पाण्डेय गुट) के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. भोज कुमार शर्मा ने कहा कि पुरानी पेंशन कोई सुविधा नहीं, बल्कि शिक्षकों का वैधानिक एवं नैतिक अधिकार है। शिक्षक अपने पूरे जीवन की ऊर्जा राष्ट्र निर्माण में समर्पित करता है, इसलिए सेवा निवृत्ति के बाद उसकी सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार का दायित्व है।

उन्होंने कहा कि यह हस्ताक्षर अभियान केवल पुरानी पेंशन की बहाली तक सीमित नहीं है, बल्कि शिक्षक सम्मान, सेवा सुरक्षा, तदर्थ शिक्षकों के विनियमितीकरण, पदोन्नति, पेंशन संबंधी विसंगतियों के समाधान तथा शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने का व्यापक जनआंदोलन है। उन्होंने सभी शिक्षकों से अधिक से अधिक संख्या में अभियान से जुड़ने का आह्वान किया।

जिलाध्यक्ष लक्ष्मी शर्मा ने कहा कि जनपद के प्रत्येक विद्यालय तक यह अभियान पहुँचाया। उन्होंने बताया कि शिक्षकों की लंबित मांगों के समर्थन में 31 जुलाई को प्रातः 11:00 बजे जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय (जीआईसी परिसर), आगरा पर विशाल धरना-प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। हस्ताक्षर अभियान में प्रमुख रूप से रामवीर सिंह, डॉ अरुण कुमार गौतम, मनोज स्टुअर्ट, आलोक मसीह, सुमन यादव, सुधीर कुमार कुलश्रेष्ठ, डॉ. सी.पी सिंह, नारायण चन्द्र गुप्ता मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

नोडल अधिकारी की अध्यक्षता में जिला पौधारोपण समिति की सर्किट हाउस में बैठक

टीएनएफ टुडे, आगरा।

जनपद में वृक्षारोपण महायज्ञ-2026 की तैयारियों हेतु शनिवार को डॉ. हरिओम आईएएस, प्रमुख सचिव व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास और उद्यमशीलता, जनपद हेतु नामित नोडल अधिकारी की अध्यक्षता में सर्किट हाउस में समीक्षा बैठक हुई। बैठक में नोडल अधिकारी ने 12 जुलाई को होने वाले वृक्षारोपण की तैयारियों हेतु विभागवार विस्तृत समीक्षा की। बताया गया कि जनपद में कुल 5394000 पौधारोपण किया जाएगा। जिसमें वन विभाग द्वारा, 1900000 व अन्य 27 से अधिक विभागों द्वारा 3494000 पौधरोपण किया जाएगा। डीएफओ राजेश कुमार ने पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से ह्यह्यएक पेड़ मां के नाम,जनपद में वृक्षारोपण महायज्ञ-2026 की कार्य योजना, जनपद को आवंटित लक्ष्य, अब तक वृक्षारोपण की प्रगति को प्रस्तुत किया। नोडल अधिकारी प्रमुख सचिव, महोदय ने बैठक में जनपद में वन विभाग द्वारा संचालित, कुल नर्सरी की सूची तलब की। प्रमुख सचिव महोदय ने निर्देश दिए कि सभी संबंधित विभाग एक विभागीय अधिकारी नामित कर पौधारोपण की ग्राउंड लेवल पर प्रभावी मॉनिटरिंग, व अनुरक्षण का कार्य सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण अभियान में माध्यमिक तथा उच्च शिक्षा के छात्र छात्राओं की अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित कराने पौधारोपण के बाद पौधों की जीवितता सुनिश्चित कराने पर जोर दिया। बैठक में जिलाधिकारी मनीष बंसल, मुख्य विकास अधिकारी प्रतिभा सिंह, एडीएम प्रशासन आजाद भगत सिंह, डीएफओ राजेश कुमार, सीएमओ अरूण कुमार श्रीवास्तव, डीपीआरओ मनीष कुमार आदि उपस्थित रहे।

आईआरसीटीसी कराएगा दक्षिण भारत और चार ज्योतिर्लिंग की यात्रा

टीएनएफ टुडे, आगरा।

इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉपोरेशन लिमिटेड आईआरसीटीसी भारत सरकार के रेल मंत्रालय के अंतर्गत एक केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम है। आईआरसीटीसी को स्टेशनों, ट्रेनों पर खानपान और आतिथ्य सेवाओं को उन्नत करने एवं पेशेवर बनाने और प्रबंधित करने और घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए भारतीय रेलवे की एक विस्तारित शाखा के रूप में स्थापित किया गया है।

उक्त यात्रा की बुकिंग हेतु पर्यटन भवन, गोमती नगर, लखनऊ स्थित आईआरसीटीसी कार्यालय एवं आईआरसीटीसी की बेवसाइट www.irctctourism.com से आनलाइन बुकिंग भी कराई जा सकती है।

इंडियन रेलवे केटरिंग एण्ड टूरिज्म कापोर्रेशन लि० (आईआरसीटीसी) द्वारा गोरखपुर रेलवे स्टेशन से भारत गौरव पर्यटक ट्रेन द्वारा दक्षिण भारत यात्रा का संचालन किया जा रहा है। इंडियन रेलवे केटरिंग एण्ड टूरिज्म कापोर्रेशन लि० (आईआरसीटीसी) द्वारा गोरखपुर रेलवे स्टेशन से भारत गौरव पर्यटक ट्रेन द्वारा 4 ज्योतिर्लिंग के साथ स्टेचू ऑफ यूनिटी के साथ स्टेचू ऑफ यूनिटी का यात्रा संचालन किया जा रहा है।

इस यात्रा के मुख्य आर्कषण निम्नवत हैं:

- यात्रा गंतव्य-तिरुपति बालाजी मंदिर (तिरुपति), रामनाथ स्वामी मंदिर (रामेश्वरम), मीनाक्षी मंदिर (मदुरै), कन्याकुमारी, मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग (मरकापुर)।
- उतरने/चढने के स्टेशन- गोरखपुर-मनकापुर-अयोध्या कैंट-सुल्तानपुर-माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ प्रयागराज संगम-रायबरेली-लखनऊ-कानपुर सेंट्रल-उरई-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-ललितपुर ।

यात्रा तिथि- 31.07.2026 से 11.08.2026 तक 11 रात एवं 12 दिन

सुविधायें- इस पैकेज में 02 एसी, 03 एसी एवं स्लीपर क्लास यात्रा, नाश्ता एवं दोपहर व रात्रि का शाकाहारी भोजन, एसी/ नॉन एसी बसों द्वारा स्थानीय भ्रमण सम्मिलित है।

- इकोनामी श्रेणी (स्लीपर क्लासं) में ठहरने पर पैकेज का मूल्य रू0- 23,560/- प्रति व्यक्ति
- स्टैंडर्ड श्रेणी (3एसी क्लास) में ठहरने पर पैकेज का मूल्य रू0-39,100/- प्रति व्यक्ति
- कम्फर्ट श्रेणी (2एसी क्लास) में ठहरने पर पैकेज का मूल्य रू0-51,760/- प्रति व्यक्ति

इस यात्रा के मुख्य आकर्षण निम्नवत हैं:

- यात्रा गंतव्य- महाकालेश्वर ज्योतिलिंग, ओमकारेश्वर ज्योतिर्लिंग (उज्जैन), द्वारकाधीश, भेंट द्वारिका, नागेश्वर ज्योतिर्लिंग, सिग्नेचर ब्रिज, सोमनाथ ज्योतिर्लिंग (गुजरात), स्टेचू ऑफ यूनिटी ।
- उतरने/चढने के स्टेशन- गोरखपुर-मनकापुर-अयोध्या कैंट-सुल्तानपुर-माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ प्रयागराज संगम-रायबरेली-लखनऊ-कानपुर सेंट्रल-उरई-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-ललितपुर ।
- यात्रा तिथि- 17.08.2026 से 26.08.2026 तक 09 रात एवं 10 दिन

सुविधायें- इस पैकेज में 02 एसी, 03 एसी एवं स्लीपर क्लास यात्रा, नाश्ता एवं दोपहर व रात्रि का शाकाहारी भोजन, एसी/ नॉन एसी बसों द्वारा स्थानीय भ्रमण सम्मिलित है।

- इकोनामी श्रेणी (स्लीपर क्लासं) में ठहरने पर पैकेज का मूल्य रू0-18,380/- प्रति व्यक्ति
- स्टैंडर्ड श्रेणी (3 एसी क्लास) में ठहरने पर पैकेज का मूल्य रू0-29,570/- प्रति व्यक्ति
- प्रति व्यक्ति, कम्फर्ट श्रेणी (2 एसी क्लास) में ठहरने पर पैकेज मूल्य रू0-38,870/- प्रति व्यक्ति ।
- इस यात्रा सेवा मे एलटीसी एवं ईएमआई की सुविधा भी उपलब्ध है।

टीएनएफ टुडे मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड के लिए **धीरज शर्मा** द्वारा श्रीराम मार्केट फूलपुर अड्डा, देवरी रोड, फतेहाबाद आगरा से प्रकाशित एवं मुद्रक पवन पाठक द्वारा इम्प्रैशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड गुरू का ताल सिकंदरा रोड आगरा से मुद्रित।
संपादकः धीरज शर्मा, फोनः 9412359817, E mail: tnftoday.com@gmail.com वेबसाइटः www.tnftoday.com
पंजीयन नं. UPHIN/25/A3702 (संपादक इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।)

सन्डे विशेष

क्या योग सिर्फ आसन है? — एक युवा का प्रश्न

एक विश्वविद्यालय के कार्यक्रम के बाद एक युवक मेरे पास आया।
वह लगभग 20 वर्ष का होगा।
उसने कहा–
"मैम, मैं पिछले कई वर्षों से योग कर रहा हूँ। सूर्य नमस्कार करता हूँ, प्राणायाम करता हूँ, ध्यान भी करता हूँ। लेकिन आज मेरे मन में एक सवाल आया है।"
मैंने कहा–
"पूछो बेटा।"
उसने कहा–
"क्या योग सिर्फ आसन है?"
उसका प्रश्न सुनकर मैं कुछ क्षणों के लिए मौन हो गई।
क्योंकि यह प्रश्न केवल उसका नहीं था।
आज की पूरी पीढ़ी का प्रश्न है।
हम योग को इंस्टाग्राम की तस्वीरों में देखते हैं।
कठिन आसनों में देखते हैं।
फिटनेस वीडियोज में देखते हैं।
लेकिन क्या वास्तव में योग इतना ही है?
मैंने उससे कहा–
"यदि योग केवल आसन होता, तो हमारे ऋषियों ने हजारों वर्षों तक जंगलों में बैठकर उसकी साधना नहीं की होती।"
योग शरीर को मोड़ने की कला नहीं है।
योग जीवन को जोड़ने की कला है।
योग का अर्थ है–
अपने शरीर, मन, बुद्धि, व्यवहार, परिवार, समाज, प्रकृति और अंततः परम चेतना को एक सूत्र में जोड़ना।
आज का युवा सुबह योग करता है।
लेकिन क्या वह अपने माता-पिता से प्रेम और सम्मान से बात करता है?
यदि नहीं,
तो योग अधूरा है।
वह ध्यान करता है।
लेकिन क्या वह मोबाइल और सोशल मीडिया की लत पर नियंत्रण रख पाता है?
यदि नहीं,
तो योग अधूरा है।
वह प्राणायाम करता है।
लेकिन क्या वह अपने शब्दों से किसी को चोट पहुँचाने से बचता है?
यदि नहीं,
तो योग अधूरा है।
योग केवल शरीर को स्वस्थ बनाने का विज्ञान नहीं है।
योग चरित्र निर्माण का विज्ञान है।
एक विद्यार्थी के जीवन में योग
एक छात्र के लिए योग का अर्थ केवल सुबह का एक घंटा नहीं है।
योग तब है–
जब परीक्षा के तनाव में भी वह ईमानदारी नहीं छोड़ता।
जब प्रतियोगिता के बीच भी वह दूसरों की सफलता से ईर्ष्या नहीं करता।
जब वह नकल करने की बजाय परिश्रम को चुनता है।
जब वह असफलता को स्वीकार कर पुनः प्रयास करता है।
जब वह अपने शिक्षक का सम्मान करता है।
जब वह अपने माता-पिता के संघर्ष को समझता है।
जब वह अपनी बहन, मित्र और समाज की महिलाओं का सम्मान करता है।
यह सब योग है।
ध्यान क्या है?
आज अधिकांश युवा सोचते हैं कि ध्यान का अर्थ आँखें बंद करना है।
नहीं।
ध्यान का अर्थ है–
जहाँ हो, पूरी तरह वहीं होना।
यदि तुम पढ़ाई कर रहे हो और मन पाँच जगह नहीं भटक रहा–
वह ध्यान है।
यदि तुम अपने मित्र की बात पूरे मन से सुन रहे हो–
वह ध्यान है।
यदि तुम भोजन करते समय मोबाइल नहीं देख रहे–
वह ध्यान है।
यदि तुम अपने लक्ष्य के प्रति एकाग्र हो–
वह ध्यान है।
योग और पर्यावरण
फिर मैंने उस युवक से पूछा–
"तुम योग करके घर जाते समय प्लास्टिक की बोतल सड़क पर फेंक देते हो?"
वह बोला–
"नहीं मैम।"
मैंने कहा–
"अच्छा है, क्योंकि यदि तुम ऐसा करते तो तुम्हारा योग अधूरा होता।"
योग हमें प्रकृति से जोड़ता है।
जो व्यक्ति पृथ्वी का सम्मान नहीं करता,
वह योग को नहीं समझ सकता।
जब तुम बाजार जाते समय अपना कपड़े का झोला साथ रखते हो–
वह भी योग है।
जब तुम एक प्लास्टिक बैग कम उपयोग करते हो–
वह भी योग है।
जब तुम पानी बचाते हो–
वह भी योग है।
जब तुम पेड़ लगाते हो और उसकी देखभाल करते हो–
वह भी योग है।
योग और पशु-पक्षी
भारतीय ज्ञान परंपरा हमें सिखाती है–
"सर्वे भवन्तु सुखिनः"
सिर्फ मनुष्य नहीं।
सभी जीव।
जब गर्मियों में तुम पक्षियों के लिए पानी रखते हो–
वह योग है।
जब किसी घायल पशु की सहायता करते हो–
वह योग है।
जब तुम जीवों के प्रति करुणा रखते हो–
वह योग है।
योग और नागरिकता
योग केवल व्यक्तिगत विकास नहीं है।
योग सामाजिक जिम्मेदारी भी है।
यदि तुम ट्रैफिक नियमों का पालन करते हो–
वह योग है।
यदि तुम सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ रखते हो–
वह योग है।
यदि तुम देश के संसाधनों का सम्मान करते हो–
वह योग है।
यदि तुम भ्रष्टाचार को "सिस्टम का हिस्सा" मानकर स्वीकार नहीं करते–
वह योग है।
भारतीय ज्ञान परंपरा क्या कहती है?
भारतीय ज्ञान प्रणाली (क्ळ्र) में योग केवल आसन नहीं है।
योग है–
यम,
नियम,
आसन,
प्राणायाम,
प्रत्याहार,
धारणा,
ध्यान,
और समाधि।
आसन तो आठ चरणों में से केवल एक चरण है।
हमने योग के विशाल वृक्ष की केवल एक शाखा पकड़ ली है।
जड़ों तक पहुँचना अभी बाकी है।
उस युवक को मेरा उत्तर
मैंने उससे कहा–
*"जिस दिन तुम्हारा व्यवहार बदल जाएगा,
तुम्हारे विचार शुद्ध हो जाएँगे,
तुम अपने माता-पिता के प्रति कृतज्ञ हो जाओगे,
प्रकृति के प्रति संवेदनशील हो जाओगे,
समाज के प्रति जिम्मेदार हो जाओगे,
और अपने भीतर की अच्छाई को पहचान लोगे–
उस दिन तुम योग करना नहीं,
योग जीना शुरू कर दोगे।"*
वह मुस्कुराया।
शायद उसे उत्तर मिल गया था।
और शायद हमें भी।
क्योंकि–
आसन शरीर को स्वस्थ बनाते हैं।
ध्यान मन को शांत बनाता है।
लेकिन योग मनुष्य को बेहतर इंसान बनाता है।
और यही योग की वास्तविकता है।
यही भारतीय ज्ञान परंपरा का संदेश है।
यही वह योग है जिसकी आज के युवाओं को सबसे अधिक आवश्यकता है।
समापन उद्धरण
"योग वह नहीं जो हम सुबह एक घंटे करते हैं; योग वह है जो हम दिन के चौबीस घंटे जीते हैं।"
(लेखिका देश में झोला क्वीन के नाम से विख्यात पर्यावरणविद व ग्राफिक इरा यूनिवर्सिटी में एसोसिएट प्रोफेसर हैं।)

खामेनेई युग का अंत

ईरान के दिवंगत सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई के अंतिम संस्कार से पहले उनकी अंतिम यात्रा निकाली गई। जिसमें पूरे ईरान से लोग तो उमड़ पड़े, साथ ही दुनिया के कई देशों के लोग उन्हें आखिरी बार श्रद्धांजलि देने पहुंचे। अली खामेनेई की अंतिम यात्रा सोमवार को राजधानी तेहरान में शुरू हुई। शहर की सड़कों पर लाखों लोग उन्हें अंतिम श्रद्धांजलि देने के लिए जुटे। जिस तरह से पूरे ईरान में खामेनेई के अंतिम संस्कार पर लोग रोते-बिलखते दिख रहे हैं और जान के खतरे उठाकर भी कार्यक्रमों में शामिल हो रहे हैं, उससे अनुमान लगाया जा सकता है कि आयतुल्लाह अली खामेनेई का ईरान में क्या दर्जा था। वे केवल आधिकारिक तौर पर सुप्रीम लीडर नहीं थे, बल्कि उनके साहस और बेखौफ रवैये को देखकर आम ईरानी नागरिक उन्हें अपना सर्वोच्च नेता मानता था और उनके कहे को पत्थर की लकीर। शायद यही वजह है कि 28 फरवरी को जब अमेरिका और इजरायल के हमले में आयतुल्लाह खामेनेई अपने कुछ परिजनों के साथ शहीद हुए, तो उनके न झुकने वाले जज्बे को हरेक ईरानी नागरिक ने अपने व्यवहार में उतार लिया और फिर अमेरिका-इजरायल के हर हमले का मुंहतोड़ जवाब दिया। डोनाल्ड ट्रंप और बेंजामिन नेतन्याहू को खुशफहमी थी कि वे ईरान पर आसान जीत दर्ज कर लेंगे, हमले के पहले ही दिन अली खामेनेई की हत्या करने के बाद ईरान में कोई नेतृत्व नहीं बचेगा और ईरानी पलटवार नहीं कर पाएंगे। लेकिन अमेरिका और इजरायल का यह भ्रम बहुत जल्दी टूट गया। ईरान ने अली खामेनेई के बेटे मोज्तबा खामेनेई को सर्वोच्च नेता घोषित किया, वे अब तक सार्वजनिक तौर पर दिखाई नहीं दिए हैं। लेकिन ईरान के राष्ट्रपति डा.मसूद पेजेश्किायान से लेकर विदेश मंत्री सैयद अब्बास अरागची, ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद गलीबाफ जैसे तमाम नेता लगातार सड़कों पर उतर कर जनता में हिम्मत बंधाते रहे और साथ ही ईरानी सेना अमेरिका और इजरायल पर जवाबी वार भी करती रही। इस युद्ध में ईरान को बेशक जान माल का बहुत नुकसान हुआ। आयतुल्लाह अली खामेनेई के अलावा अली लारीजानी जैसे नेता भी मारे गए, मिनाब की स्कूल में सौ से ज्यादा बच्चियां हमले का शिकार बनीं। लेकिन ईरान झुका नहीं, संघर्ष करता रहा। हालात ऐसे बने कि आखिर में अमेरिका को ईरान के साथ पहले अस्थायी युद्ध विराम और अब समझौता करने पर मजबूर होना पड़ा। हालांकि ट्रंप की अकड़ अब भी खत्म नहीं हुई है। अली खामेनेई को अंतिम विदाई देने के लिए कम से कम एक करोड़ लोग ईरान में अलग-अलग जगहों पर सड़कों पर आए हैं। इसे देखकर ट्रंप ने कहा कि उन्हें ईरानियों को रोता देखकर हैरानी हुई। उन्हें लगा था कि लोग खामेनेई से नफरत करते हैं। फिर खुद को सही साबित करने के लिए ट्रंप ने कहा, 'हो सकता है ये नकली आंसू हों।' इस बयान के पीछे दो ही कारण हो सकते हैं या तो ट्रंप सच्चाई को अनदेखा कर रहे हैं कि उनके खामेनेई के विरुद्ध चलाए गए अभियान को जनता ने नकार दिया है या फिर उनमें वैश्विक मामलों की वाकई समझ नहीं है। वे अब भी इस मुगालते में हैं कि ईरान की सभ्यता को जमींदोज कर सकते हैं।

–अनाम

सम्पादकीय

नाटो शिखर सम्मेलन में मुगल काल!

नाटो शिखर सम्मेलन के मंच से एरदोगान ने यह स्पष्ट कर दिया कि आधुनिक कूटनीति अब केवल समझौतों और बैठकों तक सीमित नहीं रही। इतिहास, संस्कृति, भोजन, सैन्य परंपरा और राष्ट्रीय प्रतीक भी वैश्विक शक्ति प्रदर्शन के प्रभावी हथियार बन चुके हैं। यह स्पष्ट संकेत है कि 21वीं सदी की भू राजनीतिक प्रतिस्पर्धा में इतिहास की व्याख्या भी एक रणनीतिक औजार बन चुकी है।

अंकारा में आयोजित नाटो शिखर सम्मेलन के दौरान तुर्की ने केवल वैश्विक कूटनीति का मंच ही नहीं सजाया, बल्कि इतिहास, संस्कृति और प्रतीकों के जरिये अपनी वैचारिक पहचान का भी जोरदार प्रदर्शन किया। राष्ट्रपति रेचेप तैयप एरदोगान ने दुनिया के शीर्ष नेताओं के स्वागत के लिए जिस भव्य राजकीय समारोह का आयोजन किया, उसका सबसे चर्चित और विवादास्पद पक्ष रहा तुर्की के कथित सोलह महान तुर्क साम्राज्यों का प्रदर्शन। इन्हीं सोलह साम्राज्यों में भारत के मुगल साम्राज्य को भी शामिल किया गया और बाबर की सेना का प्रतिनिधित्व करने वाला एक सैनिक विशेष पोशाक में समारोह का हिस्सा बनाया गया। इस कदम ने केवल इतिहासकारों के बीच ही नहीं, बल्कि भारत में भी एक नई बहस छेड़ दी है कि क्या तुर्की ने भारत के इतिहास पर अपना दावा जताने की कोशिश की है।हम आपको बता दें कि तुर्की के राष्ट्रपति भवन में आयोजित स्वागत समारोह में आधुनिक सैन्य टुकड़ियों, उस्मानी काल के मेहतर सैन्य वाद्य दल और ऐतिहासिक वेशभूषा में सजे सोलह सैनिकों को एक साथ प्रस्तुत किया गया। यह परंपरा वर्ष 2015 में एरदोगान ने शुरू की थी और तब से हर बड़े राजकीय स्वागत का स्थायी हिस्सा बन चुकी है। इन सोलह सैनिकों को तुर्की के राष्ट्रपति चिह्न पर बने सोलह सितारों का प्रतीक माना जाता है। तुर्की का दावा है कि ये सितारे उन सोलह ऐतिहासिक तुर्क साम्राज्यों का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिन्होंने तुर्क सभ्यता की निरंतरता को आगे बढ़ाया।। इन्हीं 16 साम्राज्यों की सूची में हूण, गोकतुर्क, खजर, उइगर, गजनवी, महान सलजूक, ख्वारज्म, स्वर्ण गिरोह, तैमूरी, मुगल और उस्मानी साम्राज्य शामिल हैं। समारोह में बाबर द्वारा स्थापित मुगल साम्राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाले सैनिक को भी विशेष स्थान दिया गया। हम आपको बता दें कि तुर्की के इतिहास लेखन में मुगल साम्राज्य को बाबर साम्राज्य कहा जाता है। वहां यह पढ़ाया जाता है कि बाबर तैमूर का प्रत्यक्ष वंशज था, उसकी मातृभाषा चगताई तुर्की थी और इसलिए मुगल साम्राज्य तुर्क इतिहास की निरंतर कड़ी है। इतिहास का यह पक्ष अपनी जगह है कि बाबर मध्य एशिया से आया था और उसकी सांस्कृतिक जड़ें तुर्क परंपरा से जुड़ी थीं। यह भी निर्विवाद है कि मुगल शासन के विभिन्न दौर में अनेक मंदिरों को ध्वस्त किया गया और भारतीय धार्मिक तथा सांस्कृतिक परंपराओं पर प्रहार हुए, जिनकी स्मृति आज भी इतिहास और जनचेतना का हिस्सा है। लेकिन इसके साथ ही यह भी एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक तथ्य है कि भारत में स्थापित होने के बाद मुगल साम्राज्य ने यहां की अनेक परंपराओं, प्रशासनिक व्यवस्थाओं, कला, स्थापत्य, भाषा और जीवन शैली को भी अलग अलग स्तरों पर आत्मसात किया। अकबर से लेकर शाहजहां तक मुगल शासन भारतीय उपमहाद्वीप की राजनीतिक और सांस्कृतिक संरचना का अभिन्न हिस्सा बन गया था। लेकिन भारत के लिए सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या मुगल साम्राज्य को तुर्की की सभ्यतागत विरासत का हिस्सा बताना भारत के इतिहास में हस्तक्षेप है? वस्तुनिष्ठ दृष्टि से देखें तो तुर्की ने भारत के भूभाग या संप्रभुता पर कोई औपचारिक दावा नहीं किया है। उसने केवल अपने इतिहास लेखन और राष्ट्रीय प्रतीकों के अनुरूप मुगल साम्राज्य को तुर्क परंपरा की एक कड़ी के रूप में प्रस्तुत किया है। इसलिए इसे प्रत्यक्ष राजनीतिक हस्तक्षेप कहना उचित नहीं होगा। लेकिन यह भी उतना ही सत्य है कि जब किसी दूसरे देश के इतिहास का महत्वपूर्ण अध्याय किसी अन्य राष्ट्र की राष्ट्रीय पहचान का हिस्सा बनाकर विश्व मंच पर प्रस्तुत किया जाता है, तब वह स्वाभाविक रूप से संवेदनशील प्रश्न खड़े करता है।

आखिर ई-चालान के नाम पर साइबर ठगी कैसे होती है?

यदि आप समय रहते 1930 पर शिकायत कर देते हैं, तो कई मामलों में संदिग्ध खाते में गई राशि को फ्रीज कराकर वापस पाने की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए घबराने के बजाय तुरंत कार्रवाई करें। हमेशा यह याद रखें कि कोई भी वैध सरकारी विभाग व्हाट्सऐप संदेश भेजकर आपसे ओटीपी, यूपीआई पिन या बैंक पासवर्ड नहीं मांगता

क्या आपको पता है कि किसी भी अनजान मैसेज पर क्लिक करेंगे तो बैंक खाता हो सकता है खाली? जी हां, आजकल यही हो रहा है। खासकर साइबर अपराधी फर्जी ई-चालान (E-Challan) के नाम पर एसएमएस (SMS), व्हाट्सऐप (WhatsApp) और ई-मेल (E-mail) भेजकर लोगों के बैंक खातों से पैसे उड़ा रहे हैं।

दरअसल, ऐसे संदेशों में लिखा होता है कि आपका ट्रैफिक चालान बकाया है, तुरंत भुगतान करें, अन्यथा वाहन जब्त हो सकता है या लाइसेंस निलंबित किया जा सकता है। लिहाजा लोग इनके झांसे में आ जाते हैं।

फर्जी एसएमएस या व्हाट्सऐप संदेश- "आपका 2,000 का चालान बकाया है।"......"24 घंटे में भुगतान न करने पर कानूनी कार्रवाई होगी।".....नकली लिंक संदेश में दिए गए लिंक पर क्लिक करते ही आप नकली वेबसाइट पर पहुंच जाते हैं। वहां वाहन नंबर, मोबाइल नंबर, बैंक विवरण या यूपीआई पिन (UPI PIN) मांगा जाता है। वहीं, मैलवेयर का खतरा भी रहता है क्योंकि कुछ लिंक पर क्लिक करते ही मोबाइल में हानिकारक ऐप डाउनलोड हो जाता है। इससे ठग ओटीपी (OTP) बैंकिंग जानकारी और व्यक्तिगत डेटा चुरा सकते हैं।

आखिर कैसे पहचानें फर्जी ई-चालान?

संदेश में भेजे गए लिंक का डोमेन संदिग्ध हो। अत्यधिक डराने या जल्द भुगतान का दबाव बनाया जाए। भुगतान के लिए निजी मोबाइल नंबर या UPI ID दी गई हो। वर्तनी और भाषा संबंधी कई गलतियां हों। आपने कोई ट्रैफिक नियम नहीं तोड़ा हो, फिर भी चालान का संदेश आए।सुरक्षित रहने के उपायः किसी भी एसएमएस या व्हाट्सऐप लिंक पर सीधे क्लिक न करें। ई-चालान की जांच केवल सरकारी पोर्टल पर करें। OTP, UPI PIN, CVV या बैंकिंग जानकारी किसी से साझा न करें। मोबाइल में केवल आधिकारिक ऐप ही इंस्टॉल करें। संदिग्ध संदेश मिलने पर उसे रिपोर्ट करें और ब्लॉक करें।

ई-चालान की जांच कहां करें?

भारत में ट्रैफिक चालान की वास्तविक स्थिति देखने के लिए केवल आधिकारिक पोर्टल का उपयोग करें: Parivahan eChallan Portal. वहीं, यदि ठगी हो जाए तो क्या करें? तुरंत बैंक और यूपीआई (UPI) सेवा प्रदाता को सूचित करें। राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर कॉल करें। फिर साइबर अपराध पोर्टल पर शिकायत दर्ज करें: National Cyber Crime Reporting Portal.

जानिए, आपका अधिकार क्या है?

यदि आप समय रहते 1930 पर शिकायत कर देते हैं, तो कई मामलों में संदिग्ध खाते में गई राशि को फ्रीज कराकर वापस पाने की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए घबराने के बजाय तुरंत कार्रवाई करें। हमेशा यह याद रखें कि कोई भी वैध सरकारी विभाग व्हाट्सऐप संदेश भेजकर आपसे ओटीपी, यूपीआई पिन या बैंक पासवर्ड नहीं मांगता। ई-चालान का संदेश मिलने पर पहले उसकी सत्यता जांचें, फिर ही कोई भुगतान करें।

-कमलेश पांडे

सितारों की चाल: आपका भविष्यफल

दिनांक 13 जुलाई 2026 सोमवार आषाढ़ कृष्ण चतुर्दशी

कल का दिन कैसा होगा? इसकी तैयारी आज ही करें!

प्रिय पाठकों, TNF टुडे हमेशा आपकी सुविधा को सर्वोपरि रखता है। इसी उद्देश्य से हम आपको एक दिन अग्रिम (Advance) राशिफल प्रदान कर रहे हैं ताकि आप अपने महत्वपूर्ण कार्यों, बैठकों और यात्राओं की योजना आज रात ही बना सकें। सितारों की चाल जानकर संभावित चुनौतियों के प्रति पहले से सजग रहना ही सफलता की पहली सीढ़ी है।

मार्गदर्शनः आचार्य दीदी
डॉ. सरस्वती देवकृष्ण गौड़
(एस्ट्रो वास्तु शोधनम)
मो. 9119336673

शुभकार्य हेतु आज का चंद्रबल

आज मेष मिथुन सिंह तुला धनु और मीन राशि के जातकों का आत्मबल मानसिक उत्साह और भाग्य का सहयोग बहुत उत्तम रहेगा। सोमवार का दिन साक्षात देवों के देव महादेव भगवान शिव की साधना के लिए विशेष रूप से फलदायी माना जाता है। आज के दिन शिव शंभु को तांबे या कांस्य के पात्र से जल में गंगाजल और सफेद चंदन मिलाकर अर्घ्य देना तथा शिव चालीसा का पाठ करना जीवन में असीम मानसिक शांति आरोग्यता पारिवारिक सुख और उच्च प्रशासनिक सफलता लेकर आता है।

मेष

आज आपकी सामाजिक साख और व्यावसायिक प्रतिष्ठा में भारी वृद्धि होगी जिससे कार्यक्षेत्र में आपका प्रभाव बढ़ेगा और सोचे हुए सभी रुके हुए काम गति पकड़ेंगे। व्यापारिक क्षेत्र में चल रही पुरानी मंदी आज पूरी तरह समाप्त होगी और अचानक नए माध्यमों से प्रचुर धन लाभ होने के सुंदर योग बन रहे हैं। भगवान शिव को जल अर्पित करें जिससे आपके मार्ग की सभी बाधाएं हमेशा के लिए दूर होंगी।

वृष

आज का दिन आपके लिए आर्थिक और पारिवारिक दृष्टिकोण से अत्यंत भाग्यशाली सिद्ध होगा और भूमि भवन से जुड़े पुराने विवाद हल होंगे। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ अधिकारियों के सहयोग से आपको किसी बड़े और प्रतिष्ठित कार्य की जिम्मेदारी मिल सकती है जिससे मस्तक ऊंचा होगा और मन अत्यंत प्रसन्न रहेगा। शिव पंचाक्षर मंत्र का जाप करें जिससे आपके घर में स्थाई सुख और ऐश्वर्य का वास होगा।

मिथुन

आज आप अपनी तीव्र बुद्धिमत्ता और प्रखर वाणी के बल पर जटिल से जटिल सांगठनिक और व्यापारिक समस्याओं को बेहद आसानी से हल कर लेंगे। स्वास्थ्य के प्रति बिल्कुल भी लापरवाही न बरतें और विशेष रूप से अत्यधिक काम के बोझ के कारण होने वाली शारीरिक थकावट से खुद को बचाएं। शिवलिंग पर बेलपत्र अर्पित करें जिससे आपके भाग्य के बंद द्वार शीघ्र खुलेंगे।

कर्क

मानसिक रूप से आज आप खुद को अत्यधिक ऊजार्वान और शांत महसूस करेंगे जिससे किसी बड़े व्यावसायिक निवेश का निर्णय लेने में आपको सफलता मिलेगी। परिवार की ओर से कोई अत्यंत सुखद और गौरवमयी समाचार प्राप्त हो सकता है जिससे पूरे परिवार में उल्लास का माहौल बना रहेगा। माता गौरी को सफेद पुष्प अर्पित करें जिससे आपकी आर्थिक चिंताएं समाप्त होंगी।

सिंह

आज कार्यस्थल पर सहकर्मियों या व्यावसायिक साझेदारों के साथ किसी भी प्रकार के व्यर्थ के अहंकार के टकराव से आपको पूरी तरह बचना होगा। वाहन या किसी भी प्रकार की मूल्यवान वस्तु खरीदते समय अपने बजट का विशेष ध्यान रखें और अत्यधिक फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। मस्तक पर सफेद चंदन का तिलक लगाएं जिससे राजनीति के क्षेत्र में आपकी ऐतिहासिक विजय होगी।

कन्या

आज आपको मित्रों और वरिष्ठ सहयोगियों की मदद से किसी बड़े नए व्यावसायिक अनुबंध की प्राप्ति होगी जिससे आपकी संचित पूंजी में वृद्धि होगी। विद्यार्थियों को परीक्षा में अपनी कठिन मेहनत का बेहद सकारात्मक और मनोनुकूल परिणाम प्राप्त होने के सुंदर योग बन रहे हैं। असहाय लोगों के लिए अन्न की व्यवस्था करें जिससे आपके यश में निरंतर वृद्धि होगी।

तुला

आज सामाजिक और राजनैतिक क्षेत्र से जुड़े जातकों का प्रभाव क्षेत्र बढ़ेगा और समाज में उनके द्वारा किए गए कार्यों की हर स्तर पर सराहना होगी। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी और जीवनसाथी के सहयोग से कोई बड़ा रुका हुआ पारिवारिक काम आज आसानी से पूरा हो जाएगा। किसी शिवालय में जल का दान करें जिससे आपके जीवन के सभी भ्रम दूर होंगे।

वृश्चिक

धार्मिक यात्राओं और देव दर्शन के सुंदर योग बन रहे हैं जिससे आपकी आंतरिक व्याकुलता पूरी तरह शांत होगी और मन को असीम संबल मिलेगा। व्यावसायिक क्षेत्र में किसी भी अपरिचित व्यक्ति पर जरूरत से ज्यादा भरोसा न करें अन्यथा आपको बड़ा आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। शिव कवच का पाठ करें जिससे आपके मार्ग की सभी गुप्त राजनैतिक बाधाएं दूर होंगी।

धनु

आज सेहत को लेकर विशेष रूप से सावधान रहने की आवश्यकता है क्योंकि अत्यधिक कार्यभार के कारण शारीरिक कमजोरी महसूस हो सकती है। सगे संबंधियों के साथ धन का बड़ा लेन देन करते समय पूरी सावधानी बरतें और बिना लिखा पढ़ी के कोई बड़ा आर्थिक व्यवहार न करें। महामृत्युंजय मंत्र का मानसिक जाप करें जिससे आपके भीतर एक अद्भुत और नई सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा।

मकर

साझेदारी में चल रहे व्यापार में आज मनोनुकूल प्रगति होगी और नए बड़े व्यावसायिक सहयोगी जुड़ने से आपके काम को बाजार में एक नई गति प्राप्त होगी। प्रेम संबंधों और पारिवारिक रिश्तों में आपसी तालमेल बहुत मधुर रहेगा तथा सभी सदस्य एक दूसरे की भावनाओं का पूरा सम्मान करेंगे। भोलेनाथ को जल अर्पित करें जिससे आपके पारिवारिक जीवन के सभी कष्ट हमेशा के लिए दूर होंगे।

कुंभ

आज आप अपने पराक्रम और कुशल कूटनीति के बल पर विरोधियों और शत्रुओं के हर चक्रव्यूह को पूरी तरह से ध्वस्त करने में सफल रहेंगे। पुराने कानूनी मामलों में आज आपके पक्ष में कोई बहुत बड़ी और सुखद खबर सुनने को मिल सकती है। गाय को हरा चारा या भोजन खिलाएं जिससे आपके मन का अज्ञात भय पूरी तरह समाप्त हो जाएगा।

मीन

कला साहित्य लेखन और रचनात्मक क्षेत्रों से जुड़ी प्रतिभाओं को आज कोई बड़ा राष्ट्रीय सम्मान या विशिष्ट पहचान मिलने के सुंदर योग बन रहे हैं। संतान पक्ष की शिक्षा या करियर को लेकर चल रही पुरानी चिंताएं आज पूरी तरह समाप्त होंगी जिससे मन को बड़ी राहत मिलेगी। किसी शिव मंदिर में धार्मिक पुस्तक दान करें जिससे आपके सुख और भौतिक साधनों में निरंतर वृद्धि होगी।

आज का वास्तु शोधनम सूत्र

सोमवार के दिन घर के मुख्य हॉल में उत्तर की दिशा में साफ जल से भरा हुआ पीतल या तांबे का कलश स्थापित करने से घर की नकारात्मक ऊर्जा और भयंकर वास्तु दोष पूरी तरह शांत होता है तथा साक्षात महादेव की असीम कृपा से परिवार के सदस्यों का आर्थिक संकट दूर होता है और सुख समृद्धि हमेशा बढ़ती रहती है।

डीएम ने जल जीवन मिशन के निर्माणाधीन कार्यों का किया स्थलीय निरीक्षण

वृक्षारोपण महाभियान के अंतर्गत किया वृक्षारोपण

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत विकास खंड नौहझील के ग्राम बेरा स्थित निमार्णाधीन 188.50 एमएलडी क्षमता के जल शोधन संयंत्र एवं अन्य परियोजना कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण की शुरूआत जल शोधन संयंत्र परिसर में वृक्षारोपण महाभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कर की गई। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह, अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे नंद प्रकाश मौर्या, उप जिलाधिकारी मांट दीपिका मेहर तथा तहसीलदार मांट सुशील गुप्ता ने वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने पर्यावरण संरक्षण एवं हरित वातावरण के लिए अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने का संदेश भी दिया। वृक्षारोपण के उपरांत जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने जल शोधन संयंत्र की कार्यदायी संस्था को निर्देशित किया कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता एवं निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुरूप पूर्ण किए जाएं। साथ ही निर्माण कार्यों में गुणवत्ता नियंत्रण, सुरक्षा मानकों तथा समयबद्ध प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। तत्पश्चात जिलाधिकारी ने ग्राम भदानवारा में निमार्णाधीन 325 किलोलीटर क्षमता एवं 15 मीटर स्टेजिंग वाले उच्च जलाशय तथा 2450 किलोलीटर क्षमता के क्लियर वाटर रिजर्वायर का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए परियोजना को निर्धारित समयावधि में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में शुद्ध एवं सुरक्षित पेयजल की आपूर्ति समयबद्ध रूप से सुनिश्चित की जा सके। जिलाधिकारी ने कहा कि जल जीवन मिशन शासन की प्राथमिकता वाली जनकल्याणकारी योजना है तथा इसके क्रियान्वयन में गुणवत्ता एवं समयबद्धता से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्था को नियमित मॉनिटरिंग करते हुए कार्यों में अपेक्षित गति बनाए रखने के निर्देश दिए।

निरीक्षण में जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह, अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे नंद प्रकाश मौर्या, उप जिलाधिकारी मांट दीपिका मेहर, तहसीलदार मांट सुशील गुप्ता, उत्तर प्रदेश जल निगम (ग्रामीण) के अधिकारी तथा कार्यदायी संस्था एपीसीओ के प्रतिनिधि एवं तकनीकी टीम उपस्थित रही।

शातिर बदमाश भूरा के दौनों पैरों में लगी गोली, गिरफ्तार

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

- अपहरण और लूट का शातिर पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार
- घायल अवस्था में बदमाश को जिला अस्पताल में कराया भर्ती

अपहरण के प्रयास को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई सफेद कार का राज पुलिस ने खोल दिया है। करीब पांच स्थानों पर कार द्वारा लगातार अपहरण के प्रयास की खबरें मिल पुलिस को बेचैन कर रही थीं। कार तक पहुंचने और इस पूरे घटनाक्रम का खुलासा करने के लिए पुलिस की तीन टीमों का गठन किया गया था। जनपद के बलदेव क्षेत्र में पुलिस, स्वाट टीम और महावन थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में अपहरण और लूट के आरोपी ओमप्रकाश उर्फ भूरा को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस की जवाबी फायरिंग में उसके दोनों पैरों में गोली लगी, जिसके बाद उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। मुखबिर की सूचना पर शुक्रवार देर रात यमुना एक्सप्रेसवे के हथौड़ा अंडरपास के समीप चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान बिना नंबर प्लेट की स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल पर सवार एक संदिग्ध युवक को रोकने का प्रयास किया । पुलिस को देखते ही आरोपी ने भागने का प्रयास किया, पुलिस टीम पर जानलेवा फायरिंग कर दी। आत्मरक्षा में पुलिस द्वारा की गई जवाबी कार्रवाई में आरोपी घायल हो गया, उसे पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान ओमप्रकाश उर्फ भूरा (35)पुत्र राधारमण, निवासी जुलेंडी, थाना गोवर्धन, हाल निवासी नगला साखी, हरिकृपा धाम कॉलोनी, गोवर्धन के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी से एक अवैध तमंचा, दो जिंदा कारतूस, दो खोखा कारतूस, बिना नंबर प्लेट की स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल बरामद की है। सीओ संजीव कुमार राय ने बताया आरोपी के खिलाफ बलदेव, महावन, गोवर्धन व कोतवाली थानों में अपहरण, लूट, छेड़छाड़, मारपीट, बलवा, हत्या के प्रयास, आर्म्स एक्ट सहित कई गंभीर धाराओं में 9 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। उसके अन्य आपराधिक इतिहास की जांच की जा रही है। आवश्यक सख्त कार्रवाई होगी।

मरीजों को बाहर की दवा न लिखें चिकित्सक:

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

- जिलाधिकारी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नौहझील का निरीक्षण किया
- संचारी रोग नियंत्रण को जरूरी कदम उठाने के दिए निर्देश

जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सी0एच0सी0) नौहझील का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी को एम0ओ0आई0सी0 नौहझील तथा अन्य चिकित्सक अस्पताल में उपस्थित मिले। जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आए मरीजों तथा भर्ती मरीजों की जानकारी ली। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि अनावश्यक बाहर की दवा न लिखी जाए।

जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने दवाओं के स्टॉक रजिस्टर को गहनता से चेक किया तथा दवाओं की एक्सपायरी को भी चेक किया। उन्होंने एम0ओ0आई0सी0 नौहझील एवं खण्ड विकास अधिकारी नौहझील को निर्देश दिए कि नियमित रूप से अस्पताल व परिसर की सफाई सुनिश्चित करे। उन्होंने संचारी रोग नियंत्रण अभियान के दृष्टिगत की जा रही व्यवस्थाओं की भी जानकारी लीं, जिसपर अवगत कराया गया कि झाड़ियों की कटाई, एंटी लार्वा छिड़काव, फॉगिंग आदि सुनिश्चित किया जा रहा है। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने अस्पताल में लगे अग्निशमन यंत्रों का अवलोकन किया। उन्होंने फायर सिलेंडर की एक्सपायरी को चेक किया तथा एम0ओ0आई0सी0 को निर्देश दिए कि नियमित रूप से फायर सिलेंडर की एक्सपायरी डेट चेक करते रहें।

जिलाधिकारी ने कहा कि दस्तक अभियान के अंतर्गत घर घर जाकर लोगों को जागरूक करें कि पानी के बर्तन, ड्रम आदि को ढक कर रखें। जिन स्थानों में पानी इकट्ठा होता है वहां पानी में कुछ बूंदे मिट्टी के तेल या ट्रैक्टर का जला हुआ मोबिलऑयल डाल दें। मच्छरों से बचाव के लिए पूरी बाजू के कपड़े पहनें। मच्छरों से बचने के लिये सोते समय मच्छर रोधी क्रीम/नीम का तेल/कड़वा तेल शरीर पर लगाएं। सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग करें। बुखार आने पर नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर चिकित्सकीय सलाह लें और अपने खून की जांच कराएं।

जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने निर्देश दिए कि अस्पतालों में मरीजों के परिजनों के बैठने हेतु कुर्सी व बेंच, पीने हेतु पेयजल (आर0ओ0 जल एवं ठंडा जल), गर्मियों में पंखे आदि की व्यवस्था अवश्य होनी चाहिए। मरीजों को उत्कृष्ट स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने हम सभी की प्राथमिकता होनी चाहिए। निरीक्षण में जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह, अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे नंद प्रकाश मौर्या, उप जिलाधिकारी मांट दीपिका मेहर सहित अस्पताल के चिकित्सक/ अधिकारी/ कर्मचारी मौजूद रहे।

उप्र कर अधिवक्ता संगठन का धूमधाम से मनाया 11वां स्थापना दिवस

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

मथुरा टैक्स बार एसोसिएशन (पंजी) मथुरा द्वारा उत्तर प्रदेश कर अधिवक्ता संगठन (पंजीकृत) लखनऊ का 11वां स्थापना दिवस डैंपियर नगर स्थित होटल हीरा कुंज रेसीडेंसी में वरिष्ठ अधिवक्ताओं के द्वारा संयुक्त रूप से केक काटकर हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यकारिणी सदस्य एडवोकेट हरे कृष्ण अग्रवाल ने संगठन के द्वारा अधिवक्ता हित में किए जा रहे कार्यों के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि यह संगठन कानूनी क्षेत्र, विशेष रूप से कर कानून में काम करता है । यह प्रदेश के कर अधिवक्ताओं को संगठित करके एक मजबूत मंच प्रदान करता है एवं हर माह अधिवक्ताओं के ज्ञानवर्धन के लिए जी एस टी एवं आयकर के वेबिनार सेमिनार आयोजित करता है और निरन्तर जारी है। उपकास की स्थापना 11 जुलाई 2015 में हुई थी। इस संस्था का प्रथम शपथ ग्रहण समारोह भगवान योगीराज श्री कृष्ण की नगरी मथुरा में हुआ। आगरा से आईं बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश सदस्य प्रत्याशी एडवोकेट हरजीत अरोड़ा ने कहा स्थानीय बार को कोई समस्या आती है तो वह उन समस्याओं को संगठन के माध्यम से बार काउंसिल व सरकार तक पहुंचाकर उनका समाधान करा सकते हैं। संगठन में ही शक्ति हैं। मथुरा टैक्स बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एडवोकेट नीरज कुमार गर्ग ने भी संगठन की स्थापना से अब तक के कार्यों से अवगत कराया और संगठन के द्वारा अधिवक्ता हित में किए जा रहे कार्यों के बारे में बताया। कार्यक्रम को अन्य वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन मथुरा टैक्स बार एसोसिएशन के महामंत्री एड. रामा कांत भारद्वाज ने किया एवं कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन सहभोज के साथ सम्पन्न हुआ।

दुकान विवाद में फायरिंग मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, चौमुहाँ।

थाना जैत क्षेत्र के गांव राल में दुकान के कब्जे को लेकर हुए विवाद के बाद हुई फायरिंग के मामले में पुलिस ने हत्या के प्रयास के मुकदमे में वांछित दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। दोनों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया।

शुक्रवार को गांव राल में पालेन्द्र और छैलबिहारी पक्ष के बीच लंबे समय से चल रहे दुकान विवाद ने हिंसक रूप ले लिया था। दोनों पक्षों के बीच पहले कहासुनी हुई, फिर पथराव शुरू हो गया। आरोप है कि इसी दौरान एक पक्ष की ओर से लाइसेंसी राइफल से फायरिंग की गई, जिससे गांव में अफरा-तफरी मच गई और राहगीरों ने जान बचाकर भागना पड़ा। घटना के बाद पीड़ित पक्ष की तहरीर पर थाना जैत में हत्या के प्रयास समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया।

थाना जैत पुलिस ने कार्रवाई करते हुए शनिवार को मुकदमे में वांछित लोकमन (70) पुत्र रामजीलाल तथा प्रताप (40) पुत्र लोकमन, निवासी थोक भोज, गांव राल, थाना जैत को उनके घर से गिरफ्तार कर लिया। दोनों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं, जिनमें हत्या के प्रयास की धारा भी शामिल है, के तहत कार्रवाई की गई।

पुलिस के अनुसार घटना में प्रयुक्त लाइसेंसी राइफल की भी जांच की जा रही है। जांच के आधार पर शस्त्र लाइसेंस के संबंध में भी नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। थाना जैत पुलिस का कहना है कि अन्य आरोपितों की भूमिका भी खंगाली जा रही है।

चिंताहरण महादेव मंदिर परिसर में एचपीसीएल टीम का स्वच्छता अभियान

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड की रेवाड़ी-कानपुर पाइपलाइंस टीम द्वारा ब्रज क्षेत्र में ह्यस्वच्छता पखवाड़ाह्न के अंतर्गत व्यापक स्तर पर स्वच्छता एवं जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुरानी गोकुल-महावन स्थित चिंताहरण महादेव मंदिर परिसर में विशेष स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया। यह अभियान वरिष्ठ प्रबंधक टीएम शिवकुमार के नेतृत्व में 01 जुलाई से 15 जुलाई तक संचालित किया जा रहा है। इसके तहत टीम द्वारा ब्रज क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर साफ-सफाई के साथ लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जा रहा है। अभियान के दौरान केवल सफाई कार्य ही नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं के बीच पौधों का वितरण भी किया गया। टीम के अधिकारियों ने बताया कि स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण समाज की आधारशिला हैं और ब्रज क्षेत्र के धार्मिक स्थलों को स्वच्छ व हरित बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। अधिकारियों के अनुसार स्वच्छता पखवाड़ा के तहत ब्रज के विभिन्न ऐतिहासिक और धार्मिक स्थलों पर लगातार इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसका उद्देश्य आमजन को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना तथा सिंगल-यूज प्लास्टिक के उपयोग से बचने के लिए प्रेरित करना है।

कार्यक्रम के दौरान टीम के सदस्य अमित कुमार, आयुष्मान, पंत, अर्पित, राहुल, आनंद, प्रदीप शर्मा, राजेन्द्र और जितेश सहित अन्य सदस्यों ने श्रमदान कर मंदिर परिसर की सफाई में सक्रिय योगदान दिया। स्थानीय नागरिकों और मंदिर के मीडिया प्रभारी दिनेश सिंह तरकर ने इस पहल की सराहना की।

सत्संग में स्वच्छ ब्रज का संकल्प दिलाएंगे संत

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

ब्रज केवल एक तीर्थ नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, सनातन परंपरा और विश्व की आध्यात्मिक चेतना का जीवंत केंद्र है। श्रीमद्भागवत, पुराणों और संत साहित्य में वर्णित ब्रज की पावन भूमि सदियों से भक्ति, प्रेम, करुणा और लोकमंगल का संदेश देती आई है। ऐसे दिव्य धाम की स्वच्छता को जनआंदोलन का स्वरूप देने के उद्देश्य से संचालित श्हम सबने यह ठाना है, ब्रज को स्वच्छ बनाना हैश् महाअभियान में अब संत समाज, गुरुजन और भागवताचार्यों की सक्रिय भागीदारी होने जा रही है। वे ब्रज दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को स्वच्छता का संकल्प दिलाएंगे तथा ब्रज को स्वच्छ, निर्मल और पवित्र बनाए रखने के लिए प्रेरित करेंगे।

भगवान श्रीकृष्ण और राधारानी की जन्म एवं लीलास्थली ब्रज में प्रतिवर्ष करीब 10 करोड़ श्रद्धालु दर्शन को आते हैं। यहाँ मथुरा, वृंदावन, गोकुल, गोवर्धन, बरसाना, नंदगांव, राधाकुंड सहित ब्रज के अन्य प्रमुख तीर्थ क्षेत्रों में अनेक संतों, महंतों और भागवताचार्यों के आश्रम स्थित हैं। जहां श्रद्धालु मंदिरों के दर्शन के साथ इन आश्रमों में सत्संग, भागवत कथा और आध्यात्मिक मार्गदर्शन के लिए भी पहुंचते हैं। इसी व्यापक आध्यात्मिक प्रभाव को देखते हुए उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद अब संत समाज को स्वच्छता अभियान से जोड़ते हुए इन्हें महत्वपूर्ण सहभागी बनाने जा रहा है। यह गुरु महाराज और भागवताचार्य अपने प्रवचनों, सत्संगों और धार्मिक आयोजनों के माध्यम से श्रद्धालुओं को यह संकल्प दिलाएंगे कि वे ब्रज में कहीं भी कूड़ा नहीं फैलाएंगे, एकल-उपयोग प्लास्टिक का प्रयोग नहीं करेंगे तथा यमुना तट, कुंडों, घाटों, परिक्रमा मार्गों और सभी धार्मिक स्थलों की स्वच्छता एवं पवित्रता बनाए रखने में सहयोग करेंगे। श्रद्धालुओं को यह भी बताया जाएगा कि ब्रज की स्वच्छता केवल सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि भगवान श्रीकृष्ण की सेवा, ब्रज रज का सम्मान और अपनी आस्था के प्रति कर्तव्य है। ब्रज की पवित्रता बनाए रखना प्रत्येक भक्त की धार्मिक जिम्मेदारी भी है। उल्लेखनीय है कि हम सबने यह ठाना है, ब्रज को स्वच्छ बनाना है महाअभियान उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद, जिला प्रशासन और नगर निगम द्वारा विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं स्वयंसेवी संगठनों के सहयोग से संचालित किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य जनभागीदारी के माध्यम से स्वच्छता को जन आंदोलन का स्वरूप देना तथा ब्रज की आध्यात्मिक गरिमा, सांस्कृतिक विरासत और प्राकृतिक पवित्रता को अक्षुण्ण बनाए रखना है।

बरसाना नगर पंचायत लगाएगी तीन हजार वृक्ष

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, बरसाना।

प्रदेश सरकार द्वारा राज्यव्यापी वृक्षारोपण महाअभियान (वन महोत्सव) की पूर्व संध्या पर बरसाना नगर पंचायत द्वारा गहवर वन परिक्रमा मार्ग स्थित चिकसोली मुक्तिधाम में वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व जेल विजिटर लक्ष्मण प्रसाद शर्मा और नगर पंचायत की अधिशासी अधिकारी डॉ. कल्पना वाजपेयी ने एक-एक कदम्ब किया। नगर पंचायत की अधिशासी अधिकारी ने बताया कि इस क्षेत्र में कदंब वाटिका विकसित की जाएगी। तीन हजार पौधे रोपकर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हरित संकल्प को साकार करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करेगी।

उन्होंने कहा कि इस महाअभियान के तहत लगाए जाने वाले पेड़ों की रक्षा के लिए ट्री गार्ड भी लगाए जा रहे हैं। पेड़ों की देखभाल एवं समय समय पर पेड़ों में पानी देने के लिए प्रत्येक नगर पंचायत कर्मचारी की जिम्मेदारी तय की गई है। मुख्य अतिथि पूर्व जेल विजिटर लक्ष्मण प्रसाद शर्मा ने कहा कि वृक्ष हमारी धरोहर है। हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए इस हरी भरी धरोहर को बचाए रखना हमारा नैतिक और सामाजिक कर्तव्य है। नगर क्षेत्र में इस मौके पर चिकसौली के सभासद विश्वेंद्र जादौन,नगर पंचायत के बड़े बाबू अमित कुमार, रवि शर्मा, जनसंपर्क अधिकारी गौरव शर्मा, गोला पेंटर आदि मौजूद रहे।

मथुरा और वृंदावन में आज से 14 तक नहीं चलेंगे ई-रिक्शा

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

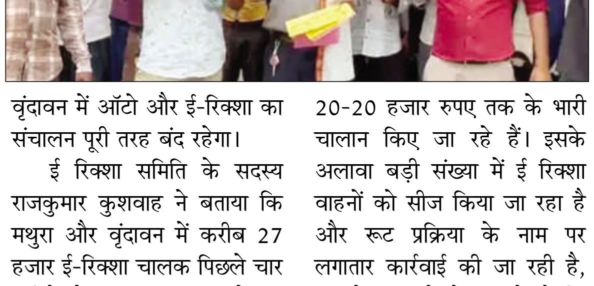

- यूनियन ने किया तीन दिन की हड़ताल का किया ऐलान
- 20-20 हजार के चालान और वाहन सीज की कार्रवाई का विरोध

शनिवार को मथुरा और वृंदावन में संचालित ई रिक्शा चालकों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर तीन दिवसीय हड़ताल का ऐलान किया है। प्रस्तावित हड़ताल 12, 13 और 14 जुलाई को होगी। अगर आप 12, 13 या 14 जुलाई को मथुरा वृंदावन जाने की योजना बना रहे हैं तो यह खबर आपके लिए महत्वपूर्ण है। ऐसे में इन तीन दिनों के दौरान श्रद्धालुओं, पर्यटकों और स्थानीय लोगों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। यूनियन ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो निर्धारित तीन दिनों तक मथुरा-वृंदावन में ऑटो और ई-रिक्शा का संचालन पूरी तरह बंद रहेगा।

ई रिक्शा समिति के सदस्य राजकुमार कुशवाह ने बताया कि मथुरा और वृंदावन में करीब 27 हजार ई-रिक्शा चालक पिछले चार महीनों से लगातार समस्याओं का सामना कर रहे हैं। उनका आरोप है कि प्रशासन की ओर से चालकों पर 20-20 हजार रुपए तक के भारी चालान किए जा रहे हैं। इसके अलावा बड़ी संख्या में ई रिक्शा वाहनों को सीज किया जा रहा है और रूट प्रक्रिया के नाम पर लगातार कार्रवाई की जा रही है, जिससे चालकों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। यदि हड़ताल होती है, तो हजारों श्रद्धालुओं, पर्यटकों और स्थानीय लोगों को आवाजाही में भारी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। यूनियन का आरोप है कि पिछले चार महीनों से पुलिस और संबंधित विभागों द्वारा चालकों का उत्पीड़न किया जा रहा है। छोटी-छोटी बातों पर 20-20 हजार रुपये तक के भारी चालान किए जा रहे हैं और वाहनों को सीज किया जा रहा है। राजकुमार कुशवाहा ने यह भी बताया कि रूट नंबर आवंटित करने के नाम पर चालकों से 3 हजार रुपये लिए गए थे। इसके बावजूद न तो कोई स्थायी पार्किंग की व्यवस्था की गई और न ही अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। उन्होंने आरोप लगाया कि रूट प्रणाली चालकों के लिए परेशानी का कारण बन गई है और इसके नाम पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। ऑटो यूनियन ने प्रशासन से मांग की है कि रूट सिस्टम को पूरी तरह समाप्त किया जाए। इसके साथ ही, भारी चालान और वाहन सीज करने की कार्रवाई पर तत्काल रोक लगाई जाए तथा चालकों के लिए उचित पार्किंग और अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

मुठभेड़ के दौरान हत्या के आरोपी को लगी गोली

गोविन्द नगर थाने का हिस्ट्रीशीटर है हत्यारोपी दीपक

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

नगर में गोविन्दनगर थाना पुलिस और स्वाट टीम ने हत्या के प्रयास के मामले में आरोपी हिस्ट्रीशीटर दीपक को शुक्रवार देर रात करीब 11 बजे मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी के दाहिने पैर में गोली लगने पर उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सीओ सिटी आईपीएस आशना चौधरी ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम चक्रतीर्थ घाट के पीछे गऊघाट की ओर कच्चे रास्ते पर आरोपी की तलाश में गश्त कर रही थी। इसी दौरान मोटरसाइकिल से जा रहे दीपक को रोकने का प्रयास किया गया। आरोप है कि उसने पुलिस पर फायरिंग कर दी।

इसके बाद पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें उसके पैर में गोली लगी और उसे मौके पर ही पकड़ लिया गया। पुलिस के अनुसार दीपक गोविन्दनगर थाने का हिस्ट्रीशीटर है। उसके विरुद्ध हत्या, गैंगस्टर अधिनियम, मादक पदार्थ संबंधी कानून और शस्त्र अधिनियम सहित 12 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। वह हाल में हत्या के प्रयास के एक मामले में वांछित चल रहा था। गिरफ्तार आरोपी के पास से बिना नंबर प्लेट की सीडी डीलक्स मोटरसाइकिल, .315 बोर का तमंचा, दो जिंदा कारतूस तथा दो खोखा कारतूस बरामद किए गए हैं।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में जिलाधिकारी की अनोखी पहल, सभी बेटियों को अधिकारियों, जन-प्रतिनिधियों ने उपहार भेंटकर दी दाम्पत्य जीवन की शुभकामनाएं

ऋषीकान्त दुबे

मैनपुरी। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने श्रीदेवी मेला एवं ग्राम सुधार प्रदर्शनी परिसर में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत शादी के बंधन में बंधे 203 नव-दंपतियों को सफल, सुखमय जीवन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भव्य-दिव्य अलौकिक कार्यक्रम में जिन गरीब बेटियों की शादी संपन्न हुई है, सभी के लिए यह गौरव का क्षण है। उन्होंने कहा कि सामूहिक विवाह समारोह सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता का भी प्रतीक है, समारोह में विभिन्न समुदायों के जोड़ों का अपने-अपने धार्मिक रीति-रिवाजों के अनुसार विवाह एवं निकाह संपन्न होना भारत की सांस्कृतिक विविधता और सामाजिक सौहार्द का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होने कहा कि प्रदेश के मुखिया ने बिना किसी भेद-भाव के हर वर्ग की गरीब बेटियों के वैवाहिक संस्कार पूर्ण कराने का जिम्मा लिया, योजना के प्रारंभ होने से पूर्व गरीब परिवार की बेटी के पिता को दहेज के साथ-साथ शादी की तैयारियां करने में काफी कठिनाई होती थी लेकिन अब बेटी का पिता इस बोझ से मुक्त हो चुका है, अब सभी तैयारियां सरकारी खर्चे पर जिला प्रशासन द्वारा की जा रही हैं। उन्होने कहा कि प्रदेश सरकार ने गरीब, निर्धन, मजदूर परिवार की बेटियों को नायाब तोहफा दिया है, गरीब परिवार बेटी की शादी करने के लिए काफी परेशान रहते थे, प्रदेश सरकार के मुखिया ने गरीब के कंधों से बेटी की शादी का बोझ हटाया और स्वंय इस योजना के तहत गरीब कन्या की शादी का खर्चा वहन किया, प्रदेश में अनूठी योजना के अन्तर्गत गरीब परिवारों की कन्याओं का एक ही मंडप के नीचे वैदिक रीति-रिवाज से हिंदू बेटियों की शादियां हो रही है वहीं दूसरी ओर मुस्लिम बेटियों की शादी के निकाह की रस्म भी अदा की जा रही है, यह सामाजिक समरसता का अनूठा संगम है।

पर्यटन मंत्री ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री एवं प्रदेश के मुखिया की सोच “सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास” के मंत्र के अनुरूप समाज का कोई भी व्यक्ति अभावग्रस्त न रहे, इसी संकल्प को साकार करने के लिए मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना लागू की, यह योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए वरदान साबित हो रही है और बेटियों के सम्मान तथा उनके उज्ज्वल भविष्य को नई

मजबूती प्रदान कर रही है। उन्होने कहा कि उ.प्र. सरकार ने इस योजना को लगातार और अधिक प्रभावी बनाया है, वर्तमान में प्रत्येक विवाह पर सरकारी खजाने से रू. 01 लाख की सहायता प्रदान की जा रही है, यह केवल आर्थिक सहयोग नहीं बल्कि बेटियों को आत्मविश्वास और सम्मान के साथ नए जीवन की शुरूआत कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, शेष रू. 15 हजार आयोजन पर व्यय किया जा रहा है।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री ने जिलाधिकारी द्वारा की गई अभिनव पहल की सराहना करते हुए कहा कि प्रत्येक नव-विवाहित जोड़े के लिए जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों को संरक्षण, सहयोग की जिम्मेदारी सौंपना अत्यंत सराहनीय कदम है, इससे जरूरत पड़ने पर नव-दंपतियों को प्रशासन का सहयोग सहजता से उपलब्ध होगा और उनके जीवन की कठिनाइयों के समाधान में भी मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि हम सभी का दायित्व है कि नवविवाहित जोड़ों को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें, उन्हें सम्मानजनक वातावरण दें तथा उनके सुखद एवं सफल दांपत्य जीवन के लिए सदैव सहयोगी बनें।

पूर्व मंत्री, विधायक भोगांव रामनरेश अग्निहोत्री ने नव-दंपतियों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि एक ही मंच के नीचे हिंदू-मुस्लिम रीति-रिवाज से संपन्न हो रहे वैवाहिक समारोह देश की राष्ट्रीय एकता, अखंडता का संगम है। उन्होने कहा कि केंद्र-प्रदेश की डबल इंजन सरकार जन्म से पहले ही मातृ एवं शिशु कल्याण की जिम्मेदारी निभाना शुरू कर देती है, गर्भवती महिलाओं को पोषण सहायता, सुरक्षित प्रसव, बच्चों का निःशुल्क टीकाकरण, बेटियों के हित में संचालित विभिन्न योजनाएं, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तथा विवाह तक हर चरण पर सरकार गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों के साथ खड़ी है। उन्होने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए बड़ी राहत बनकर सामने आई है, पहले इस योजना के अंतर्गत 51 हजार रुपये की सहायता प्रदान की जाती थी, जिसे बढ़ाकर अब रू. 01 लाख कर दिया गया है, इससे गरीब परिवारों की बेटियों का सम्मानपूर्वक एवं धूमधाम से विवाह संपन्न कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना केवल आर्थिक सहायता का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक समानता, बेटियों के सम्मान और उनके उज्ज्वल भविष्य का सशक्त अभियान है, सरकार का उद्देश्य है कि आर्थिक अभाव किसी भी बेटी के विवाह में बाधा न बने और प्रत्येक बेटी सम्मानपूर्वक अपने नए जीवन की शुरूआत कर सके।

जिलाध्यक्ष ममता राजपूत ने कहा कि विवाह केवल दो व्यक्तियों का नहीं बल्कि दो परिवारों, संस्कृतियों और रिश्तों का पवित्र मिलन होता है। नवदंपतियों को चाहिए कि वह दोनों परिवारों का समान सम्मान करें, एक-दूसरे के रिश्तों को अपनाएं तथा सहयोग, प्रेम, विश्वास और सम्मान की भावना के साथ अपने वैवाहिक जीवन की शुरूआत करें, विवाह संस्कार के दौरान आचार्यों द्वारा दिलाए गए वचनों का पालन जीवन भर करना ही सफल दांपत्य जीवन का आधार है। उन्होने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए अत्यंत लाभकारी साबित हो रही है, इस योजना के माध्यम से गरीब परिवारों की बेटियों का सम्मानपूर्वक विवाह कराया जा रहा है, जिससे उन पर आर्थिक बोझ कम हुआ है। उन्होंने इसके लिए प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है।

जिलाधिकारी डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी ने कहा कि आज भव्य समारोह में एक ही मंडप के नीचे 203 जोड़ों की शादी सम्पन्न हुयी, 14 मुस्लिम जोड़े भी शामिल है, इस योजना में गरीब परिवारों की बेटियों की शादी पर रू. 01 लाख सरकार द्वारा व्यय किया जा रहा है, जिसमें से रू. 64-64 हजार वधू के खाते में भेजा जा रहा है, रू. 21 हजार का सामान उपहार स्वरूप बेटियों को उपलब्ध कराया जा रहा है, रू. 15 हजार बारातियों-घरातियों के खानपान, अन्य व्यवस्थाओं पर व्यय किया जा रहा है। उन्होने सभी अतिथिगणों, जन-प्रतिनिधियों, वर-वधु एवं उनके परिजनों का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर पैक्सफेड के अध्यक्ष प्रेमसिंह शाक्य, नगर पालिका अध्यक्ष संगीता गुप्ता, पूर्व जिलाध्यक्ष अरविन्द तोमर, शिवदत्त भदौरिया, अनुजेश प्रताप सिंह यादव, ब्लॉक प्रमुख कश्मीर सिंह राजपूत, बृजेंद्र सिंह चौहान, उदय चौहान, पंकज भदौरिया एड., सुमित चौहान, शंभू तिवारी, विशंभर तिवारी, विकास चौहान, डॉ. विमल पांडेय के अलावा पुलिस अधीक्षक गणेश प्रसाद शाहा, मुख्य विकास अधिकारी नेहा बंधु, अपर पुलिस अधीक्षक अरूण कुमार, उप जिलाधिकारी सदर अभिषेक कुमार, डिप्टी कलेक्टर संध्या शर्मा, प्रसून कश्यप, परियोजना निदेशक डी.आर.डी.ए. शोभनाथ चौरसिया, उपायुक्त एन.आर.एल.एम. शौकत अली, जिला समाज कल्याण अधिकारी अशोक कुमार, जिला कार्यक्रम अधिकारी अशोक कुमार, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी रंजना शुक्ला, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी राजेश बघेल सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी, जन प्रतिनिधि, पार्टी पदाधिकारी आदि उपस्थित रहे, कार्यक्रम का संचालन रविंद्र गौर ने किया।

पर्यटन मंत्री ठाकुर जयवीर सिंह ने 50 शैय्या क्रिटिकल केयर यूनिट एवं ट्रामा सेंटर का किया लोकार्पण

टीएनएफ टुडे, मैनपुरी।

रू. 1605.08 लाख की लागत से नव-निर्मित 50 शैय्या क्रिटिकल केयर यूनिट एवं ट्रामा सेंटर का लोकार्पण तथा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य तथा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अन्तर्गत तकनीकि सहयोगी संस्था पी.सी.आई. के वित्तीय सहयोग से जिला महिला चिकित्सालय में विकसित उड़ान मॉडल प्रेरणा कैन्टीन का शुभारंभ करते हुए पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि चिकित्सक भगवान का दूसरा स्वरूप होता यदि बीमार व्यक्ति का हाथ पकड़कर कहे कि आप जल्द ही ठीक होंगे तो मरीज का आत्मविश्वास बढ़ता है और वह जल्द ही ठीक होने लगता है। उन्होंने चिकित्सकों, पैरामेडिकल स्टाफ एवं जनपदवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सरकार का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक को गुणवत्तापूर्ण एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है, स्वास्थ्य सेवाओं को आधुनिक बनाने के लिए प्रदेश सरकार लगातार कार्य कर रही है, जिससे आमजन को अपने ही जनपद में बेहतर उपचार की सुविधा मिल सके। उन्होने कहा कि जनपद तेजी से विकास के नए दौर में प्रवेश कर चुका है, शिक्षा, बिजली, सड़क, पेयजल एवं स्वास्थ्य जैसे सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय परिवर्तन दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि कभी जनपद को पिछड़ा जनपद मानकर अधिकारियों में यहां आने को लेकर संकोच रहता था लेकिन आज परिस्थितियां पूरी तरह बदल चुकी हैं, जनपद अब विकास

की नई पहचान बना रहा है और आने वाले समय में प्रदेश के अग्रणी जनपदों में शामिल होगा।

पर्यटन मंत्री ने कहा कि जनपद की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों को संरक्षित एवं विकसित करने के लिए भी लगातार कार्य किए जा रहे हैं, निमार्णाधीन संग्रहालय एवं ऑडिटोरियम देश के उत्कृष्ट सांस्कृतिक केंद्रों में शामिल होंगे, यहां स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, महापुरुषों, ऋषि-मुनियों तथा जनपद के गौरवशाली इतिहास को आधुनिक तकनीक के माध्यम से प्रदर्शित किया जाएगा, इस परियोजना के लिए केंद्र सरकार द्वारा क्यूरेशन एवं आधुनिक प्रस्तुतीकरण हेतु अतिरिक्त रू. 15 करोड़ की स्वीकृति भी प्रदान की गई है। उन्होने कहा कि विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब देश का प्रत्येक नागरिक अपने दायित्वों का पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ निर्वहन करेगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ कार्य करने वाला प्रत्येक व्यक्ति राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है यदि सभी लोग अपने-अपने क्षेत्र में पूरी जिम्मेदारी से कार्य करें तो दुनिया की कोई ताकत भारत को विकसित राष्ट्र बनने से नहीं रोक सकती। उन्होंने कहा कि सरकारी चिकित्सालयों में आने वाला अधिकांश मरीज गरीब, वंचित एवं जरूरतमंद होता है, जिसके पास निजी अस्पतालों में महंगा इलाज कराने की क्षमता नहीं होती, ऐसे में प्रत्येक चिकित्सक, स्वास्थ्यकर्मी का नैतिक दायित्व है कि वह पूरी संवेदनशीलता, समर्पण और मानवीय दृष्टिकोण के साथ मरीजों का उपचार करे। उन्होंने कहा कि सरकार अस्पतालों के लिए आधुनिक भवन, अत्याधुनिक मशीनें, उपकरण, दवाइयां तथा अन्य संसाधन उपलब्ध कराने का कार्य कर रही है, इन संसाधनों का जनहित में प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करना चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ एवं पैरामेडिकल कर्मचारियों की जिम्मेदारी है यदि सभी चिकित्सा कर्मी पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें तो सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं पर जनता का विश्वास और अधिक मजबूत होगा तथा प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगी।

श्री सिंह ने कहा कि एक समय प्रदेश में मोबाइल मेडिकल सेवाओं के विस्तार के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किया गया था ताकि ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को भी आपातकालीन परिस्थितियों में समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा सके, मैनपुरी सहित विभिन्न जनपदों में स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने के लिए अनेक योजनाएं लागू की गई थीं। उन्होंने कहा कि मैनपुरी में भी स्वास्थ्य सुविधाओं के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए थे, जिनका लाभ जनपदवासियों को मिला। उन्होंने कहा कि जब उनके पास स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी थी, तब मैनपुरी में प्रदेश का पहला कैंसर यूनिट स्थापित कराया गया था तथा उसके लिए आधुनिक मशीनें भी उपलब्ध कराई गई थीं, दुर्भाग्यवश सरकार बदलने के बाद आवश्यक विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति नहीं हो सकी और उपलब्ध कराए गए कई उपकरण भी हटा दिए गए, जिसके कारण कैंसर यूनिट का संचालन प्रभावित हुआ। उन्होंने कहा कि आज भी जनपद के कैंसर रोगियों को उपचार के लिए अन्य शहरों का रुख करना पड़ता है, जो चिंता का विषय है। उन्होने मुख्य चिकित्साधीक्षक से कैंसर यूनिट को पुनः प्रारंभ कराने तथा आवश्यक विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति के संबंध में विस्तृत प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रस्ताव की एक प्रति उन्हें भी उपलब्ध कराई जाए ताकि शासन स्तर पर उसका प्रभावी अनुश्रवण कर शीघ्र स्वीकृति दिलाने का प्रयास किया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि जनपद में हृदय रोग विशेषज्ञ की भी अत्यंत आवश्यकता है, वर्तमान में न तो सरकारी अस्पताल में और न ही निजी क्षेत्र में पर्याप्त हृदय रोग विशेषज्ञ उपलब्ध हैं, इस दिशा में भी शासन स्तर पर प्रयास किए जाएंगे ताकि मैनपुरी के लोगों को बेहतर हृदय रोग उपचार की सुविधा मिल सके। जिलाध्यक्ष ममता राजपूत ने कहा कि जनपद में ट्रामा सेंटर, क्रिटिकल यूनिट की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी और इस संबंध में समय-समय पर प्रदेश सरकार के समक्ष मांग भी रखी जाती रही। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री इस आवश्यकता को गंभीरता से लिया और उनके विशेष प्रयासों से आज यह महत्वपूर्ण परियोजना धरातल पर साकार हो सकी है। उन्होने कहा कि इस क्रिटिकल केयर यूनिट के लोकार्पण के साथ ही जनपदवासियों की एक बड़ी आवश्यकता पूरी हुई है, अब गंभीर एवं आपातकालीन स्थिति वाले मरीजों को आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होंगी, जिससे उन्हें उपचार के लिए अन्य जनपदों की ओर नहीं जाना पड़ेगा।

जिलाधिकारी डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी ने कहा कि यह यूनिट जनपदवासियों के लिए एक बड़ी सौगात है, इसके संचालन से गंभीर एवं दुर्घटना में घायल मरीजों को समय पर उच्च स्तरीय उपचार उपलब्ध हो सकेगा। उन्होने कहा कि जब जनपद में कार्यभार ग्रहण किया था, उस समय जिला चिकित्सालय की व्यवस्थाओं को लेकर प्रतिदिन शिकायतें मिल रही थीं, अस्पताल में मरीजों को मूल-भूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की आवश्यकता महसूस हुई, तत्कालीन मुख्य चिकित्साधीक्षक एवं रोगी कल्याण समिति के सहयोग से उपलब्ध धनराशि से अस्पताल में बेडशीट, कूलर सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था कराई लेकिन वह पर्याप्त नहीं थी, जिला चिकित्सालय के आधुनिकीकरण तथा क्रिटिकल केयर यूनिट को शीघ्र संचालित कराने के लिए लगातार प्रयास किए गए, यह क्रिटिकल केयर यूनिट पूरी तरह आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है, यहां अत्याधुनिक ऑपरेशन थिएटर, आधुनिक चिकित्सा उपकरण तथा गंभीर मरीजों के उपचार की समुचित व्यवस्था उपलब्ध कराई गई है।

जमीनों पर अवैध कब्जे किसी कीमत पर बर्दाश्त नही, खरीदने से पहले करे पूरी जानकारी- पर्यटन मंत्री ठाकुर जयवीर सिंह

टीएनएफ टुडे, मैनपुरी।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने जन-शिकायतें सुनने के दौरान कहा कि प्राप्त शिकायतों के निस्तारण पर गंभीरता से कार्य करें, किसी भी शिकायत के निस्तारण में किसी का शोषण न किया जाए, सभी शिकायतों पर न्यायोचित कार्यवाही हो, प्रदेश सरकार की मंशा है कि किसी भी व्यक्ति को अपनी समस्या के निदान के लिए भटकना न पड़े इसके लिए तमाम स्तर पर कार्यवाही हो रही हैं। उन्होंने कहा कि शासन-प्रशासन की मंशा है कि प्रत्येक व्यक्ति को न्याय मिले, प्रत्येक पात्र को संचालित योजनाओं का लाभ बिना किसी भेद-भाव के आसानी से प्राप्त हो। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि संचालित योजनाओं के लाभ के साथ मूल-भूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, विद्युत, नगर निकाय सहित अन्य किसी भी विभाग से किसी भी व्यक्ति को असुविधा न हो, सभी चक-मार्ग, चक रोड खाली रहें, कहीं भी अवैध अतिक्रमण के कारण किसी भी व्यक्ति को आवागमन में असुविधा का सामना न करना पड़े, सुनिश्चित किया जाए।

पर्यटन मंत्री ने बैनामे के उपरांत भूमि पर कब्जा न मिलने की शिकायत पर कहा कि भूमि क्रय करने से पूर्व पूरी जानकारी करें, बेनामे के तत्काल बाद विक्रेता से मौके पर अभिलेख प्राप्त करें। उन्होंने शिकायतकर्ता से कहा कि विवादित भूमि क्रय करने से बचें। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि किसी भी स्तर से प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध, गुणवत्तापरक निराकरण प्रत्येक विभाग के जिला स्तरीय अधिकारी की व्यक्तिगत जिम्मेदारी है, प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की समय से समीक्षा करें, अधीनस्थों पर निर्भर न रहें बल्कि यथासंभव मौके पर जाकर समस्या का निदान करायें, शिकायत के निस्तारण में किसी भी स्तर पर विलंब न हो। उन्होंने कहा कि आय-जाति-मूल निवास, जन्म, मृत्यु प्रमाण पत्र जारी होने में किसी भी स्तर पर विलंब न हो, किसी भी लाभार्थीपरक योजना की पत्रावली, आवेदन किसी भी स्तर पर लंबित न रहे, उद्योगों की स्थापना, संचालन में अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करने में कोई भी विभाग शिथिलता न बरते, अग्निशमन, प्रदूषण विभाग तत्काल एन.ओ.सी. जारी करें, मारपीट, गुमशुदा के प्रकरण में पुलिस उचित कार्यवाही करे, गुमशुदा की तेजी से तलाश की जाए साथ ही मारपीट करने वालों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही हो।

अखिलेश यादव जमीनी हकीकत से दूर, सोशल मीडिया तक सीमितः जयवीर सिंह

टीएनएफ टुडे, मैनपुरी।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने अपने मैनपुरी दौरे के दौरान विपक्षी दलों पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि वे जमीनी हकीकत और पीडीए जैसे गंभीर मुद्दों की सही समझ नहीं रखते हैं। जयवीर सिंह के अनुसार, अखिलेश यादव जनता के सुख-दुख से पूरी तरह कट चुके हैं और उनका राजनीति करने का तरीका केवल सोशल मीडिया पर ट्वीट करने और मनगढ़ंत बातें लिखकर चर्चा में बने रहने तक ही सीमित रह गया है।

दलितों के मुद्दे पर घेराव करते हुए कैबिनेट मंत्री ने सपा सरकार के पुराने कार्यकाल की याद दिलाई। उन्होंने कन्नौज मेडिकल कॉलेज की घटना का ज़िक्र करते हुए दावा किया कि साल 2012 से 2017 के बीच राज्य में दलित उत्पीड़न के सबसे ज्यादा मामले सामने आए थे। उन्होंने तंज कसा कि या तो अखिलेश यादव की याददाश्त कमजोर हो चुकी है या फिर वे जानबूझकर अपने समय की इन घटनाओं को भुलाने का नाटक कर रहे हैं।

इसके अलावा, बिहार और मध्य प्रदेश के उपचुनावों में भाजपा प्रत्याशियों के विरोध से जुड़े सवाल पर उन्होंने पार्टी का बचाव किया। जयवीर सिंह ने कहा कि भाजपा एक लोकतांत्रिक व्यवस्था वाली पार्टी है, जहाँ हर कार्यकर्ता को अपनी बात रखने और टिकट मांगने का पूरा अधिकार है। उन्होंने भरोसा जताया कि जनता का समर्थन पूरी तरह भाजपा के साथ है और आने वाले चुनावी नतीजे पार्टी के पक्ष में ही रहेंगे।

नए बिजली मीटर स्थापना के बाद गेट में उतरा करंट, राजमिस्त्री की दर्दनाक मौत

किशनी/मैनपुरी। किशनी थाना अंतर्गत ग्राम वसैत में एक हृदयविदारक वाकया सामने आया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार रात काम से लौटने के बाद अपने मकान का मुख्य लौह कपाट खोलते समय 40 वर्षीय राजमिस्त्री प्रदीप कुमार पुत्र राधेश्याम करंट की चपेट में आ गए। चीख-पुकार सुनकर दौड़े परिजनों के राहत प्रयासों के बावजूद उनकी मौके पर ही सांसें थम गईं। सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर अगले दिन शनिवार दोपहर परिजनों को सौंप दिया।

मृतक के पिता राधेश्याम ने विद्युत विभाग पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि पुराना मीटर फुंकने के कारण शुक्रवार को ही विभाग द्वारा नया मीटर लगाया गया था, जिसके बाद से ही लोहे के दरवाजे में करंट प्रवाहित होने लगा था। उन्होंने इस मामले में जांच व सख्त कार्रवाई की मांग उठाई है।

भावनात्मक रूप से जुड़कर करें पौधा रोपण, रोपित प्रत्येक पौधे की जीवितता का रखा जाये पूरा ध्यान- आयुक्त आगरा मंडल आगरा

वृहद वृक्षारोपण अभियान को लक्ष्य पूर्ति नही बल्कि जन-भागीदारी का महाभियान बनाएं, प्रत्येक पौधे का संरक्षण किया जाये सुनिश्चित-नागेंद्र प्रताप सिंह

टीएनएफ टुडे, मैनपुरी।

आयुक्त आगरा मंडल आगरा, जनपद के नोडल अधिकारी नगेंद्र प्रताप सिंह ने दि. 12 जुलाई को प्रस्तावित वृहद वृक्षारोपण अभियान की विभागवार तैयारियों, माइक्रो प्लान, पौधों के उठान, गड्ढों की खुदाई, चिन्हित स्थलों, पौधों की उपलब्धता तथा अभियान की निगरानी व्यवस्था की समीक्षा करते हुए कहा किवृक्षारोपण केवल सरकारी लक्ष्य पूरा करने का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य का महाभियान है। उन्होंने कहा कि पौधा रोपित करना महत्वपूर्ण है लेकिन उसे जीवित रखना उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है यदि रोपित पौधों की सुरक्षा, सिंचाई और नियमित देखभाल नहीं हुई तो लाखों पौधे लगाने का उद्देश्य अधूरा रह जाएगा, सभी

विभाग यह सुनिश्चित करें कि जिस स्थान पर पौधे लगाए जाएं, वहां पहले से ही पानी, सुरक्षा, फेंसिंग तथा निगरानी की व्यवस्था उपलब्ध हो। उन्होने समीक्षा के दौरान मियावाकी पद्धति से सघन वृक्षारोपण को बढ़ावा देने के निर्देश देते हुए कहा कि जहां भूमि कम उपलब्ध है, विशेषकर नगर क्षेत्रों में, वहां इस तकनीक से कम स्थान में घना वन विकसित किया जा सकता है। उन्होंने वन विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनपद में नगर वन विकसित करने के लिए उपयुक्त भूमि चिन्हित कर विस्तृत परियोजना तैयार कर शासन को भेजी जाए।

मंडलायुक्त ने कहा कि बरसात के समय पौधे लगाना आसान होता है, लेकिन वास्तविक परीक्षा गर्मी के मौसम में होती है, इसलिए पौधरोपण के दिन से ही यह तय होना चाहिए कि पौधों को पानी कौन देगा, उनकी सुरक्षा कौन करेगा और यदि किसी कारणवश पौधा सूख जाए तो उसके स्थान पर नया पौधा कब लगाया जाएगा, सभी विभाग इस कार्ययोजना को पहले से तैयार रखें। उन्होने कहा कि जनपद का हरित आवरण बढ़ाने के लिए सभी विभागों को मिशन मोड में कार्य करना होगा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वृक्षारोपण को केवल सरकारी दायित्व न मानें बल्कि इसे सामाजिक एवं नैतिक उत्तरदायित्व समझकर पूरी संवेदनशीलता से कार्य करें, जिस प्रकार धार्मिक कार्यों में श्रद्धा रखते हैं, उसी प्रकार एक पौधे को जीवित रखना भी समाज और प्रकृति के प्रति बड़ा पुण्य का कार्य है। उन्होंने विद्यालयों, अमृत सरोवरों, पंचायत भवनों, गौशालाओं तथा सार्वजनिक संस्थानों में लगाए जाने वाले पौधों की जिम्मेदारी स्थानीय लोगों एवं विद्यार्थियों को देने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि जब किसी पौधे से व्यक्ति का भावनात्मक जुड़ाव होगा तो उसकी सुरक्षा स्वतः सुनिश्चित होगी, विद्यालयों में बच्चों को पौधों का संरक्षक बनाया जाए, जिससे उनमें पर्यावरण संरक्षण की भावना विकसित हो।

जिलाधिकारी डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी ने मंडलायुक्त को आश्वस्त किया कि दिये गये निदेर्शों के क्रम में जनपद की प्रत्येक नगर पंचायत क्षेत्र में 01-01 मियावाकी पौधा रोपण हेतु क्षेत्र चिन्हित कर मियावाकी वन विकसित किया जायेगा, वृहद वृक्षारोपण अभियान के अन्तर्गत रोपित पौधों की जीवितता सुनिश्चित की जायेगी, बड़े पौधा रोपण वाले प्रत्येक स्थल की डिजिटल डायरी तैयार की जाएगी, इसमें स्थलवार जियो टैगिंग, पौधों की संख्या, प्रजाति, फोटो, सिंचाई, सुरक्षा तथा पौधों की वृद्धि का नियमित विवरण अंकित किया जाएगा, प्रत्येक माह जिला पर्यावरण समिति की बैठक में इन डिजिटल डायरियों की समीक्षा होगी।

'टीएनएफ टुडे' के माध्यम से शुरू किया गया यह 'कला मंथन' कार्यक्रम बेहद शानदार है। विशेष रूप से इसकी जो सबसे बड़ी पहल है–कलाकारों को रोजगार से जोड़ने की, वह सच में काबिले-तारीफ है। अगर इस दिशा में आगे बढ़कर सही तरीके से काम किया जाए, तो निश्चित रूप से हमारे जो कलाकार आज पैसों की कमी के चलते अपनी कला से दूर होते जा रहे हैं, वे दोबारा इस क्षेत्र से जुड़ेंगे और अपनी कला को एक नए मुकाम तक ले जाएंगे।

— मनोज सिंह
(रामलीला निर्देशक एवं कलाकार)

इस 'कला मंथन' कार्यक्रम की सबसे अच्छी बात यह रही कि यहाँ न सिर्फ कलाकारों की कला पर चर्चा हुई, बल्कि इस बात पर भी गंभीरता से विचार किया गया कि भविष्य में कलाकार क्या करना चाहते हैं। सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा जो यहाँ उठाया गया, वह था कला के क्षेत्र में रोजगार और कलाकारों की अर्निंग (कमाई) का।

आमतौर पर हम देखते हैं कि समाज में लोग डॉक्टर या इंजीनियर बनने को तो एक सुरक्षित प्रोफेशन मानते हैं, लेकिन माता-पिता अपने बच्चों को एक्टर बनाने से कतराते हैं। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि कलाकारों को उनके काम का सही और समय पर पेमेंट (मानदेय) नहीं मिल पाता है। मुझे बेहद खुशी है कि सूरज तिवारी सर ने इस गंभीर विषय को समझा और इस पर खुलकर बात रखी। जिस तरह से इस समस्या पर मंथन हुआ है, मुझे पूरा विश्वास है कि आने वाले समय में सर के प्रयासों से इस समस्या का कोई न कोई सकारात्मक समाधान जरूर निकलेगा।

— ब्रजवुड अभिनेत्री (कला मंथन कार्यक्रम में सम्बोधन)

'टीएनएफ टुडे' ने जो यह 'कला मंथन' कार्यक्रम शुरू किया है, इसका विचार मुझे बेहद पसंद आया। आज के समय में फिल्म उद्योग में निवेशक फूंक-फूंक कर कदम रखते हैं, क्योंकि कई बार सही मार्गदर्शन न मिलने के कारण उनका निवेश गलत जगह हो जाता है। इसका नुकसान यह होता है कि जो बेहतरीन और प्रतिभाशाली फि ल्म मेकर्स हैं, वे बजट की कमी के कारण पीछे छूट जाते हैं। जब ऐसे आयोजनों के माध्यम से सही लोगों तक बजट और संसाधन पहुँचेंगे, तो न सिर्फ पूरी टीम कमा पाएगी, बल्कि दर्शकों को भी एक बेहतरीन और सार्थक सिनेमा देखने को मिलेगा।

हाल ही में हमने एक फि ल्म बनाई है, जिसका नाम 'लाल बत्ती ज़िंदगी' है। एक निमार्ता-निर्देशक के तौर पर मैं इस बात को बखूबी समझता हूँ कि जितना पैसा फिल्म बनाने में लगता है, उतना ही उसे सही तरीके से प्रमोट करने में भी खर्च होता है। हमारी पूरी कोशिश है कि हम इस फि ल्म को अच्छे से प्रमोट करके दर्शकों तक पहुँचाएँ, ताकि लोग इसे अलग-अलग ओटीटी (डळळ) प्लेटफॉर्म्स पर देख सकें। मैं आशा करता हूँ कि हमारा काम लोगों को पसंद आएगा और इस क्षेत्र से जुड़े तमाम लोग हमारे साथ जुड़कर आगे बढ़ेंगे।

— तुषार खन्ना, फि ल्म निर्देशक ('लाल बत्ती ज़िंदगी')

मैं उत्तर प्रदेश का रहने वाला हूँ और बतौर सिनेमा डायरेक्टर फिल्में, म्यूजिक वीडियो और वेब सीरीज बनाता हूँ। आज 'टीएनएफ टुडे' के माध्यम से आयोजित यह 'कला मंथन' कार्यक्रम बेहद सराहनीय रहा। मुझे इस बात की बेहद खुशी है कि उत्तर प्रदेश में इस तरह का एक बेहतरीन मंच तैयार किया गया है, जहाँ सिनेमा और कला से जुड़े तमाम लोगों को एक साथ लाकर उनके विचार लिए जा रहे हैं।

इस मंच के जरिए हमें यह चर्चा करने का मौका मिला कि हम कैसे एक अच्छे सिनेमा का निर्माण करें, कला को आगे बढ़ाएं और सबसे महत्वपूर्ण बात कि सिनेमा के माध्यम से स्थानीय स्तर पर रोजगार कैसे पैदा करें। यहाँ हमें अपने विचार रखने का एक शानदार अवसर मिला और मैं पूरी आशा करता हूँ कि आगे भी सब लोग इसी तरह साथ जुड़कर एक बेहतरीन सिनेमा का निर्माण करेंगे।

— निक्की सिंह
(सिनेमा डायरेक्टर)

आज 'टीएनएफ टुडे' का जो यह 'कला मंथन' कार्यक्रम था, उसे मैं एक बेहद सकारात्मक नजरिए से देखता हूँ। कला के विविध रूप होते हैं, जिनमें काव्य लेखन और कहानी लेखन के साथ-साथ फिल्म भी कला और साहित्य का ही एक अभिन्न अंग है। हम कला और साहित्य को एक-दूसरे से अलग करके नहीं देख सकते; साहित्य ही कला है और कला ही साहित्य है।

यहाँ आकर मैंने देखा कि लोगों में एक अद्भुत उत्साह है और वे कुछ नया करना चाहते हैं, लेकिन उन्हें एक कुशल मार्गदर्शन की आवश्यकता है। मैं समझता हूँ कि 'टीएनएफ टुडे' के एडिटर-इन-चीफ धीरज जी ने इस जरूरत को समझा और एक बहुत ही शानदार मंच तैयार किया है। प्रत्येक शुक्रवार को होने वाली इन कार्यशालाओं के माध्यम से जब विचारों का मंथन और आदान-प्रदान होगा, तो कलाकारों की समस्याएं उभरकर सामने आएंगी और उनका समाधान भी निकलेगा। नवोदित (नए) कलाकारों को आगे बढ़ाने की दिशा में यह एक बेहद सराहनीय और सार्थक प्रयास है।

— रामेन्द्र शर्मा ' रवि '
(संस्थापक व अध्यक्ष, ब्रजभाषा काव्य मंच)

आज 'टीएनएफ टुडे' द्वारा आयोजित इस 'कला मंथन' कार्यक्रम में मैं थोड़ा देर से जरूर पहुंचा, लेकिन यहाँ आते ही महसूस हुआ कि मैं किसी बेहद भव्य और अनूठे कार्यक्रम का हिस्सा बन गया हूँ। 'टीएनएफ टुडे' ने सचमुच एक बहुत ही शानदार आयोजन किया है। मैं विशेष रूप से सूरज तिवारी जी, राहत जहान जी और अनुप्रिया जी का धन्यवाद करना चाहूँगा। मैं इनके काम से शुरू से ही बहुत प्रभावित रहा हूँ।

आज इस मंच पर कला जगत के इन सभी दिग्गजों को एक साथ देखना ऐसा था, मानो एक ही स्थान पर पूरी आकाशगंगा उतर आई हो। जब इतनी बड़ी प्रतिभाएं एक मंच पर विद्यमान हों, तो जाहिर है कि आने वाले समय में कला और संस्कृति के क्षेत्र में कुछ बहुत बड़ा और सकारात्मक काम होने जा रहा है।

— अवधेश उपाध्याय
(उद्यमी एवं समाजसेवी)

आज सोशल मीडिया के इस दौर में कलाकारों के पास अपनी प्रतिभा दिखाने के असीमित अवसर हैं, लेकिन मेरी सलाह यही है कि 'पहले सीखो, फिर कहो।' बिना सीखे कला अधूरी है। जब आप अपनी विधा को पूरी तरह सीखकर मंच पर आएंगे, तभी सोशल मीडिया के माध्यम से अपने लिए नए और स्थायी रोजगार के रास्ते खोल पाएंगे।

इसके साथ ही, आज सरकार भी फि ल्म निर्माण और कला के क्षेत्र में बेहतरीन सब्सिडी दे रही है। इसके बावजूद हमारे बिजनेसमैन इस इतनी बड़ी इंडस्ट्री की तरफ फोकस नहीं कर रहे हैं। कई बार सही मार्गदर्शन न होने से वे गलत जगह पैसा लगा देते हैं। 'टीएनएफ टुडे' के इस 'कला मंथन' मंच को शुरू करने का हमारा एक बड़ा उद्देश्य यही है कि बिजनेसमैन और फाइनेंसर्स का पैसा सही जगह, सही टैलेंट पर लगे, ताकि उनका नुकसान न हो और कला जगत को बढ़ावा मिले।

सूरज तिवारी
(फिल्म लेखक एवं निर्देशक)

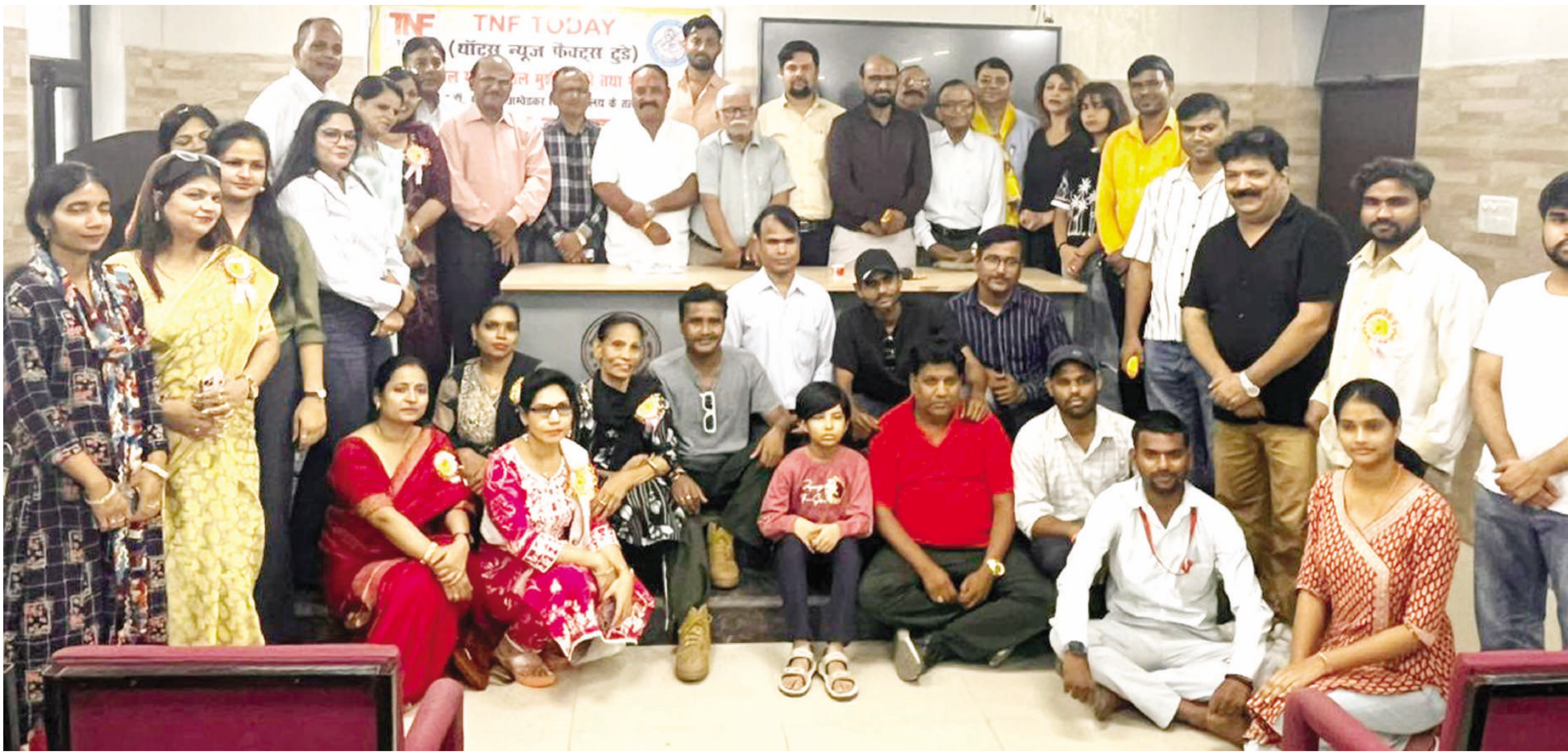

कला, कलम और नवाचार की बही त्रिवेणी, उत्कर्ष का उमड़ा सागर

टीएनएफ टुडे समाचार पत्र और केएमआई के संगम से हुआ गहन 'कला मंथन'

ब्रज क्षेत्र के नवांकुर कलाकारों, फनकारों और साहित्यकारों को नया आकाश उपलब्ध कराने की पहल

स्थापित अदाकारों ने दी सलाह, उड़ान से पहले निरंतरता अभ्यास की महती जरूरत है

असफलता ये सिखाती है कि सफलता के लिए पूरे मन से प्रयास नहीं हुआ

अनुप्रिया त्रिपाठी

आगरा। ब्रज की पावन धरा की कला और संस्कृति को राष्ट्रीय स्तर पर एक नई पहचान देने और नवाचार से जोड़ने के उद्देश्य से टीएनएफ टुडे समाचार पत्र (थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे) एवं कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी (के.एम.आई.) हिंदी तथा भाषा विज्ञान विद्यापीठ, आगरा विश्वविद्यालय के संगम से केएमआई में कला, कलम और नवाचार की त्रिवेणी बही। कला जगत की बारीकियों, कलाकारों के संघर्ष और डिजिटल युग में संभावनाओं पर गंभीर और सार्थक चर्चा की गई। अपने वर्षों के संघर्ष और गुरुजनों के मार्गनिर्देशन में मुकाम पर स्थापित फनकारों ने नवांकुरों को नसीहत दी कि सीखने की प्रक्रिया सतत रखनी होगी। कला में रातों-रात कामयाबी मुमकिन नहीं होती।अधूरे ज्ञान पर कभी इतराना नहीं। असफलता से घबराना नहीं। निरंतर अभ्यास से ही आप अपनी मंजिल तक पहुंच सकते हैं।

इससे पहले केएमआई के सूर कक्ष में सांस्कृतिक संवाद की साप्ताहिक श्रृंखला 'कला मंथन' का शुभारंभ किया गया। आयोजन में आगरा और मथुरा के कलाकारों ने सहभागिता की। संवाद के दौरान इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि जीवन के हर पड़ाव पर सीखना बेहद जरूरी है, चाहे वह कोई भी क्षेत्र हो। आज जब माता-पिता अपने बच्चों को डॉक्टर या इंजीनियर बनने के लिए संस्थान में भेजते हैं, तो वे 5 से 10 साल तक धैर्य रखते हैं, जिसके बाद कहीं जाकर अर्निंग (कमाई) शुरू होती है। लेकिन कला के क्षेत्र में अक्सर लोग चाहते हैं कि वे आज काम शुरू करें और कल से ही कमाना और मशहूर होना शुरू हो जाएं। वक्ताओं ने स्पष्ट किया कि कला साधना मांगती है और इसमें रातों-रात कामयाबी मुमकिन नहीं है, कलाकारों को हर कदम पर सीखते रहना होगा।

एक आर्टिस्ट का संघर्ष: मानसिक दबाव और वित्तीय चुनौतियाँ

चर्चा में कलाकारों के जमीनी संघर्ष को भी रेखांकित किया गया। एक आर्टिस्ट को अपने करियर में भारी मानसिक दबाव और खराब वित्तीय स्थितियों से गुजरना पड़ता है। उदाहरण के तौर पर, जब कोई कलाकार लगभग 10 गाने बनाता है, तब जाकर कहीं किसी एक गाने के हिट होने या उसे अच्छी रीच मिलने की उम्मीद होती है। इसके अलावा, चाहे कोई फिल्म हो या गाना, उसे बनाने के लिए एक बहुत बड़ी टीम और सामूहिक प्रयास की जरूरत होती है।

सोशल मीडिया: टैलेंट दिखाने का सशक्त माध्यम

डिजिटल क्रांति के इस दौर में सोशल मीडिया को उभरते हुए कलाकारों के लिए एक बेहतरीन प्लेटफॉर्म बताया गया। आज सोशल मीडिया के माध्यम से दुनिया भर का टैलेंट सामने आ रहा है और इंडस्ट्री के लोग वहीं से सीधे कलाकारों को हायर (नियुक्त) भी कर रहे हैं। अगर आपके अंदर सच्चा टैलेंट है, तो संसाधनों की कमी आड़े नहीं आती। कलाकार अपने घर बैठे ही वीडियो रिकॉर्ड कर अपनी कला का प्रदर्शन कर सकते हैं, जहाँ दर्शक उन्हें न सिर्फ देखते और पसंद करते हैं, बल्कि आगे बढ़ने में मदद भी करते हैं।

बाहर नहीं, अपने ब्रज क्षेत्र का नाम बढ़ाएं

कलाकार मंच से स्थानीय कलाकारों को अपनी जड़ों से जुड़े रहने का एक बड़ा संदेश दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि यदि हम बाहर जाकर सीखते हैं और वहीं काम करने लग जाते हैं, तो इसका मतलब है कि बाहरी लोग हमारे टैलेंट का फायदा उठा रहे हैं। हमारा मुख्य उद्देश्य अपने ब्रज क्षेत्र का नाम रोशन करना होना चाहिए। कलाकार चाहे कहीं से भी सीखें, लेकिन अपनी कला का मुख्य प्रदर्शन और उपयोग अपने ब्रज क्षेत्र को आगे बढ़ाने के लिए करें, यही कला का सही मायनों में सही उपयोग होगा।

सरकारी मदद और जानकारी के अभाव को दूर करेगा 'कला मंथन'

कार्यक्रम में एक महत्वपूर्ण मुद्दे पर प्रकाश डालते हुए टीएनएफ टुडे के संस्थापक और प्रधान संपादक धीरज शर्मा ने कहा कि सरकार फिल्मों और कलात्मक प्रोजेक्ट्स को बढ़ावा देने के लिए सब्सिडी तो देती है, लेकिन सही जानकारी के अभाव में कभी-कभी यह पैसा गलत प्रोजेक्ट्स पर लग जाता है। इसी जानकारी के अभाव को दूर करने के लिए टीएनएफ टुडे ने इस 'कला मंथन' की शुरूआत की है। इस मंच के माध्यम से अब हर सप्ताह बैठकें और चर्चाएं होंगी, जो कलाकारों का सही मार्गदर्शन करेंगी और इस बात का खाका तैयार करेंगी कि इस पूरे क्षेत्र को कला के मामले में कैसे और आगे बढ़ाया जा सकता है।

केएमआई के निदेशक प्रो. प्रदीप श्रीधर के सहयोग से सूर कक्ष में आयोजित इस कला मंथन का प्रभावी संचालन किया सुप्रसिद्ध फिल्म लेखक व निर्देशक सूरज तिवारी ने। उन्होंने प्रतिभागियों के संघर्ष और उनकी उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी। टीएनएफ टुडे समाचार पत्र के समाचार संपादक शंकर देव तिवारी ने युवा कला प्रेमियों को प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में टीएनएफ टुडे समाचार पत्र के राजेश मिश्रा, विद्यापीठ के गणमान्य पदाधिकारी और भारी तादाद में कला, फिल्म, साहित्य क्षेत्र से जुड़े हस्ताक्षर उपस्थित रहे।